रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल के लोकसभा चुनाव में 'नफरत, हिंसा और अहंकार के खिलाफ मतदान' करने के लिये जनता को धन्यवाद देते हुए मंगलवार को दावा किया कि अगरप्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो प्रधानमंत्री मोदी दो-तीन लाख वोट से हार जाते।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्षः29 अंकः 39 दिनांकः12-06-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 वडोदरा M

सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 30 जून को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे।

लोकसभा स्पीकर पद के चुनाव में शक्ति परीक्षण , भाजपा ओम बिरला को स्पीकर बनाने के पक्ष में

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा के अध्यक्ष पद को लेकर टीडीपी, भारतीय जनता पार्टी के ऊपर बड़ा दबाव बना रही है। चंद्रबाबू नायडू ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था। अध्यक्ष पद अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में भी, टीडीपी के पास था। इस कार्यकाल में भी उनका ही अध्यक्ष होगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी के पुत्र, जीएम हरीश मधुर तेलुगु देशम पार्टी से चुनाव जीतकर संसद में पहुंचे हैं। तेलुगु देशम पार्टी उन्हें लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। यह दलित नेता भी हैं।

वहीं भारतीय जनता पार्टी हर हालत में ओम बिरला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाना चाहती है। तेलुगु देशम पार्टी यदि इसके लिए तैयार नहीं हुई, ऐसी स्थिति में तुरूप के पत्ते के रूप में भारतीय जनता पार्टी पुरंदेश्वरी देवी का नाम आगे बढ़ा सकती है। मनमोहन सरकार में वह मंत्री रह चुकी हैं।तेलुगु देशम पार्टी के संस्थापक रामाराव नायडू की बेटी हैं। चंद्रबाबू नायडू की पत्नी की बहन है। तेलुगु देशम पार्टी को उनके नाम पर सहमत कराने का प्रयास भाजपा के नेता कर रहे हैं। एनडीए के सहयोगी दल चाहते हैं। अध्यक्ष पद पर सहयोगी दलों का अधिकार हो। दलबदल जैसे मामलों में अध्यक्ष की भूमिका बड़ी निर्णायक होती है। सदन के कामकाज में भी अध्यक्ष के निर्णय बड़े महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसी स्थिति में चंद्रबाबू नायडू ने पूर्व लोकसभा अध्यक्ष के पुत्र हरीश मधुर का नाम आगे बढ़ाया है। चंद्रबाबू नायडू के यह विश्वसनीय है। इस नाम पर भाजपा तैयार नहीं हो रही है।

परंपरा के अनुसार सत्ता पक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नाम को लेकर इंडिया गठबंधन के साथ आम सहमति बनने पर प्रयास कर रही है। इंडिया गठबंधन अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के नाम पर सहमत नहीं है। इसके लिए भारतीय जनता पार्टी उपाध्यक्ष पद के लेनदेन को लेकर, ओम बिरला के नाम पर सहमति बनना चाहती है।सहयोगी दलों और इंडिया गठबंधन के दलों का अध्यक्ष पद के चुनाव में आम राय से सहमति बन जाए। इसलिए सरकार उपाध्यक्ष पद कांग्रेस को देने के लिए तैयार दिख रही है।

अगले सप्ताह लोकसभा का सत्र बुलाया जा सकता है। इसमें सभी नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलवाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में कांग्रेस के कोडीकुत्रिल सुरेश सातवीं बार के चुने हुए सबसे वरिष्ठ सांसद हैं। भाजपा के वीरेंद्र कुमार सातवीं बार निर्वाचित हुए हैं। लेकिन वह कैबिनेट मंत्री बन गए हैं। ऐसी स्थिति में प्रोटेम स्पीकर कोडिकुत्रिल का बनना तय माना जा रहा है। प्रोटेम स्पीकर सभी सदस्यों को शपथ दिलाने और लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराते हैं। जैसे ही नए अध्यक्ष का चुनाव हो जाएगा।उसके बाद प्रोटेम स्पीकर की भूमिका समाप्त हो जाती है।

मोहन माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

-कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा होंगे डिप्टी सीएम

भुवनेश्वर(ईएमएस)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की। शपथ 12 जून को होगा।

मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा चुनाव में बीजद की वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

ओडिशा में पहली बार भाजपा को बहुमत

ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है।

सुप्रीम कोर्ट का नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार

कहा- गड़बड़ियों से परीक्षा की विश्वसनीयता को चोट पहुंची, हमें जवाब चाहिए; एनटीए को नोटिस

नई दिल्ली(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। ये याचिका छात्रा शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की थी। इसमें बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की गई थी और परीक्षा रद्द कर एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने परीक्षा कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से कहा- नीट यूजी की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है। हमें इसका जवाब चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में 10 जून को भी नीट रिजल्ट पर रोक लगाने की याचिका दायर की गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने नीट त्र एग्जाम 2024 में ग्रेस मार्क्स देने में मनमानी का आरोप लगाया है। एक एग्जाम सेंटर के 67 कैंडिडेट्स को पूरे 720 मार्क्स मिले हैं, इस पर भी याचिकाकर्ताओं ने संदेह जताया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर नई याचिका में 5 मई को आयोजित नीट त्र एग्जाम का पेपर लीक होने की व्यापक शिकायतों का भी हवाला दिया गया है।

अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी

जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की वेकेशन बेंच ने मामले की सुनवाई की। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 जुलाई को होगी।

20 हजार स्टूडेंट्स ने की है शिकायत

देश भर में नीट-यूजी 2024 को लेकर अलग-अलग राज्यों में लगभग 20 हजार स्टूडेंट्स ने याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की गई थी। ग्रेस मार्क्स के खिलाफ दायर की गई याचिका में कहा गया है कि एनटीए ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स देने के लिए क्या तरीका अपनाया है। वहीं, एग्जाम के पहले एनटीए की तरफ से जारी की गई इन्फॉर्मेशन बुलेटिन में भी ग्रेस मार्क्स देने के प्रावधान का जिक्र नहीं किया गया था। ऐसे में कुछ कैंडिडेट्स को ग्रेस मार्क्स देना सही नहीं है।

अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर पुलिस महानिरीक्षक ने ली हाईलेवल बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। जम्मू के रियासी में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। हमले के बाद अमरनाथ यात्रा को लेकर भी काफी चिंताएं उठने लगी है। जिसके बाद अमरनाथ यात्रा से पहले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक वीके बिरदी ने एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में महीने के अंत में मनाए जाने वाले मेला खीर भवानी और ईद-उल-अजहा के त्यौहारों के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में रेंज डीआईजी, जिला एसएसपी और पीसीआर कश्मीर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जिला पुलिस प्रमुखों ने आईजीपी कश्मीर को समग्र सुरक्षा परिदृश्य के बारे में जानकारी दी और आगामी कार्यक्रमों के लिए तैयारियां की गईं।

मेला खीर भवानी उत्सव गंदेरबल जिले के अलावा घाटी के विभिन्न मंदिरों में भी मनाया जाएगा। कानून एवं व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं की समग्र सुरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की गई। आगामी ईद-उल-अजहा के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर भी सभी सहभागी अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। आईजीपी कश्मीर ने अधिकारियों को ड्रोन और सीसीटीवी का उपयोग करके असामाजिक/राष्ट्र-विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने और चौबीसों घंटे नाका/कटऑफ प्वाइंट स्थापित करने का निर्देश दिया।

ना नेता खुश हैं, ना शपथ लेने वाले खुश हैं और न ही जनता खुश है - अखिलेश यादव

इटावा (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि बेशक केंद्र में नया मंत्रिमण्डल गठित कर लिया गया है, लेकिन इस सरकार के बनने से कोई भी खुश नहीं है।

अखिलेश यादव ने इटावा जिले के अपने पैतृक गांव सैफई में संवाददाताओं से बातचीत में केन्द्र में राजग की लगातार तीसरी बार सरकार बनने के सवाल पर कहा, बेशक राजग ने नये मंत्रिमंडल का गठन कर लिया है लेकिन सरकार गठन से कोई खुश नहीं है। उन्होंने कहा, हर तरफ मायूसी सी साफ दिखाई दे देती है। चेहरों पर वह खुशियां नहीं हैं। सरकार के गठन से कोई खुश नहीं है। ना नेता खुश हैं, ना शपथ लेने वाले खुश हैं और न ही जनता खुश है।

यादव ने कहा, आगे आने वाले समय में सब कुछ बदला दिखाई देगा। सपा प्रमुख ने कहा, इस लोकसभा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने वालों को जनता ने करारा सबक सिखाया है। हमें यह नहीं भूलना है कि पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले के तहत दलित, पिछड़े, आदिवासी, गरीब, वंचित, अल्पसंख्यक, कामगारों, युवाओं और मेहनतकश लोगों ने एक साथ मिलकर संविधान बचाने का काम किया है। इन सभी को हमें साथ लेकर आगे चलना है।

लोकसभा चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में खाली पदों को भरे जाने के काम में तेजी लाये जाने पर यादव ने कहा, यह बहुत अच्छी बात है। अब बहुत जल्द ही अग्निवीर व्यवस्था भी खत्म होगी। दिल्ली में केन्द्र की सरकार भी यह फैसला लेगी कि जो सरकारी पद खाली हैं, उन पर जल्द ही युवाओं को भर्ती किया जाए। यादव ने कन्नौज से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद करहल सीट से विधानसभा सदस्यता छोड़ने के संकेत देते हुए मंगलवार को कहा कि वह बहुत जल्द विधानसभा को इसकी जानकारी दे देंगे।

जनता ने झूठ और अहंकार के खिलाफ दिया वोट - राहुल गांधी

रायबरेली में आयोजित आभार रैली में बोले

रायबरेली(ईएमएस)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि 2024 के चुनाव में जनता ने हिंसा, झूठ और अहंकार के खिलाफ वोट किया है। भाजपा के लोग संविधान को बदलने की बात कर रहे थे पर जनता ने उन्हें संविधान को माथे से लगाने के लिए मजबूर कर दिया है।

राहुल ने कहा कि यूपी की जनता ने नरेंद्र मोदी को संदेश दे दिया है कि हमें आपका विजन पसंद नहीं आया है क्योंकि वो कुछ उद्योगपति के लिए काम करते हैं। जनता ने बता दिया है कि वो नफरत के खिलाफ है। बेरोजगारी के खिलाफ हैं। रायबरेली की जनता ने इस बदलाव की शुरुआत हुई है।

प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी हार जाते

राहुल ने कहा कि इस बार जैसे प्रियंका ने कहा कांग्रेस एक होकर लड़ी, समाजवादी पार्टी को धन्यवाद, उनका हर कार्यकर्ता हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लड़ा। पहली बार देखा इंडिया गठबंधन का हर कार्यकर्ता एक साथ खड़े होकर लड़ा। पहले शिकायत आती थी की यहां उन्होंने मदद नही की, लेकिन इस बार गठबंधन के साथी एक इंच पीछे नहीं हटे। देश की आत्मा को समझ आया, की मोदी शाह संविधान को खत्म करना चाहते हैं। राहुल ने कहा कि मोदी-शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति कर रहा है।

जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि रायबरेली व अमेठी लोकसभा सीट पर जीत कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस जीत से साबित हो गया है कि प्रदेश व देश के लोग साफ सुथरी राजनीति चाहते हैं। ये सब आप कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। दोनों सीटों पर जीत के लिए राहुल-प्रियंका कार्यकर्ताओं को आभार जताने के लिए पहुंचे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि राहुल गांधी रायबरेली के सांसद हैं। आप सभी को बहुत बधाई। आप सबने कठिन परिस्थितियों में लड़ाई लड़ी। किशोरी लाल को कमी महसूस नहीं होने दी। दोनों जिलों के जिलाध्यक्ष को बहुत-बहुत धन्यवाद।

24 जून से 3 जुलाई तक हो सकता संसद का विशेष सत्र

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद का विशेष सत्र 24 जून से 3 जुलाई तक हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि 18वीं लोकसभा के लिए चुने गए नवनिर्वाचित सांसद 24 और 25 जून को शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा लोकसभा स्पीकर का चुनाव 26 जून को होने की संभावना है।

केंद्र की तरफ से पहले लोकसभा के अध्यक्ष के पद के लिए एक सांसद का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। मोदी सरकार के प्रस्ताव को अगर विपक्ष सर्वसम्मति से स्वीकार कर लेता है, तब चुनाव नहीं होगा। ऐसा नहीं होता है, तब विपक्ष भी अपनी ओर से एक उम्मीदवार खड़ा कर सकता है।

वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों यानी लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को भी संबोधित कर सकती हैं। राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण के जरिए केंद्र की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के एजेंडे को पेश करेंगी। वहीं, कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार को कई मुद्दों को लेकर घेर सकती है। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा विवाद को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा था कि मैं संसद में छात्रों की आवाज बनूंगा।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी होंगे अगले सेना प्रमुख

नई दिल्ली। नैंस्ब ण्ण्ः सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अगला सेनाध्यक्ष नियुक्त किया है। वह 30 जून को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की जगह लेंगे।

उपेंद्र द्विवेदी फिलहाल उप सेना प्रमुख के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मालूम हो कि उपेंद्र द्विवेदी ने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर में सेवाएं दी हैं। इसी साल 19 फरवरी को उपेंद्र द्विवेदी ने थल सेना के उपप्रमुख का पदभार ग्रहण किया था। 30 जून को लेंगे मनोज पांडे की जगह ।

चीन और पाकिस्तान के साथ आने वाले सालों में विवादों को सुलझाने पर देंगे जोर

-नई सरकार में दोबारा एस जयशंकर ने कार्यालय पहुंच संभाला विदेश मंत्री का पदभार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई सरकार में भारत के एक बार फिर विदेश मंत्री बने एस जयशंकर ने मंगलवार को विदेश मंत्रालय के कार्यालय पहुंचकर विदेश मंत्री के तौर पर कार्य भार को संभाला है। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से मुलाकात की। मीडिया कर्मियों के पीओके के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरे मुंह में शब्द ना डालें। जयशंकर ने कहा कि भारत की भूमिका लगातार बढ़ रही है। आज दुनिया भारत को दोस्त की नजर से देख रही है। भारत जो संकट की घड़ी में दुनिया के देशों के साथ खड़ा रहता है। उन्होंने नवाज शरीफ की बधाई संदेश को लेकर भी कहा और बताया कि पीएम मोदी की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रिप्लाई किया गया है।

पाकिस्तान और चीन के साथ आने वाले पांच सालों में रिश्तों पर जयशंकर ने कहा कि हम विवादों को सुलझाने पर जोर दे रहे हैं। भारत में राजनीतिक स्थिरता है जिसका उदाहरण लगातार तीन बार की मोदी सरकार दे रही है। चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्ते थोड़े अलग है। यही कारण है कि दोनों देशों के साथ समस्याएं भी अलग हैं। चीन के साथ आने वाले सालों में हम सीमा मुद्दा खत्म करने की कोशिश करेंगे तो वहीं पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद और आतंकवाद का समाधान भी ढूंढा जाएगा।

विदेश मंत्रालय की कमान एक बार फिर मिलने पर उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना बड़ी बात है। ये सम्मानजनक है। बीते कार्यकाल में मंत्रालय ने अच्छा काम किया। जी20 की अध्यक्षता की, वैक्सीन मैत्री आपूर्ति की, कोविड की चुनौतियों का सामना किया। हम ऑपरेशन गंगा और ऑपरेशन कावेरी जैसे अहम रेस्क्यू ऑपरेशन विदेशों में भी चलाए। बीते एक दशक में पीएम मोदी के नेतृत्व में मंत्रालय ने जन केंद्रित काम किए हैं। इसके जरिए बेहतर पासपोर्ट सेवा, सामुदायिक कल्याण निधि सहायता के तौर पर देखा जा सकता है। हम ऐसा देश बनना चाहते हैं जिसपर लोग भरोसा करते हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों ने की फायरिंग, एक दहशतगर्द ढेर; सुरक्षाबलों ने घेरा इलाका

जम्मू ,जम्मू संभाग के कठुआ जिले के हीरानगर इलाके के सैडा सोहल गांव में मंगलवार की रात मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया। आतंकियों ने एक घर में घुसकर परिवार वालों को बंधक बनाने की कोशिश की। विरोध करने पर फायरिंग की। इसके बाद किसी तरह से परिवार वालों ने घर से निकलकर सुरक्षा बलों को सूचना दी। पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। एडीजीपी जम्मू आनंद जैन ने एक आतंकी के मारे जाने की पुष्टि की है। ऑपरेशन जारी है। बताते हैं कि यह गांव कठुआ व सांबा जिले के बॉर्डर पर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) से लगभग 15 किलोमीटर दूर इस गांव में शाम को लगभग पौने आठ बजे ग्रामीणों ने संदिग्ध लोगों की हरकत देखी। इस दौरान दो आतंकी एक घर में घुस गए और खाना मांगने लगे। परिवार वालों ने उनके पास के सामान को लेकर आपत्ति जताई तो धमकी देते हुए दो तीन चक्र गोलियां चलाईं। इस पर परिवार वाले चुप हो गए।

किसी तरह वह खाने का बंदोबस्त करने की बात कहते हुए घर के पिछले दरवाजे से बाहर निकल गए। बाद में उन्होंने सुरक्षा बलों को आतंकियों की मौजूदगी की सूचना दी। सूचना मिलते ही कठुआ, सांबा व जम्मू से सुरक्षा बलों की टीमें ने मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान एक आतंकी को मारने में सफलता मिली है। एक अन्य आतंकी घर में ही मौजूद है। पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर निगरानी कर रहे हैं। फायरिंग स्थल से कुछ दूरी पर बुआदात्ती देवस्थान पर कथा सुनने पहुंचे 13 लोग फंसे हुए हैं। इनमें महिलाएं व बच्चे हैं। सभी एक कमरे में बंद हैं। सभी परिवार की सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। मैं अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास हीरानगर सेक्टर के सैदा गांव में एक घर पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर डीसी कठुआ राकेश मिन्हास के साथ लगातार ऑनलाइन संपर्क में हूं। मैं एसएसपी कठुआ अनायत अली चौधरी के भी संपर्क में हूं जो मौके पर हैं। जिस घर पर हमला हुआ उसके मालिक भी मोबाइल फोन पर संपर्क में हैं। संयुक्त पुलिस और अर्धसैनिक बल का ऑपरेशन चल रहा है। अब तक एक आतंकवादी मारा गया है। मैं और मेरा कार्यालय लगातार संपर्क में हैं और घटनाक्रम पर कड़ी नज़र रख रहे हैं।

बता दें कि दो दिन पहले रविवार को ही रियासी में आतंकियों ने घात लगाकर तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाया था।

भारत आएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

नई दिल्ली(ईएमएस)। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं। संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था।

मोदी कैबिनेट गठन के बाद राज्यों को मिला 1,39,750 करोड़,मप्र को मिले 10,970 करोड़

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र ने जून के लिए राज्यों को 1,39,750 करोड़ रुपए का टैक्स डिवोल्यूशन (कर हस्तांतरण) जारी करने की मंजूरी दे दी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि डिवोल्यूशन अमाउंट की नियमित रिलीज के अलावा, एक अतिरिक्त किस्त जारी करने का भी फैसला लिया है। नई किस्त में सबसे ज्यादा टैक्स डिवोल्यूशन पाने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश (25069 करोड़) पहले नंबर पर है। बिहार को (14056 करोड़) दूसरे नंबर पर और मप्र (10970 करोड़) तीसरे नंबर पर है। सबसे कम सिक्किम (542 करोड़) है।

टैक्स डिवोल्यूशन यानी, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच टैक्स रेवेन्यू का डिस्ट्रीब्यूशन। यह केंद्र और राज्यों के बीच कुछ टैक्सों से होने वाली कमाई को उचित और न्यायसंगत तरीके से अलॉकेट करने के लिए स्थापित एक कॉन्स्टिट्यूशनल मैक्निज्म है। अभी केंद्र सरकार जो भी टैक्स कलेक्ट करती है उसका 41 प्रतिशत राज्यो को एक वित्त वर्ष में 14 किश्तों में वितरित करती है। वित्त वर्ष 2024-25 में जून महीने के लिए जारी गई इस राशि के साथ कुल 2 लाख 79 हजार 500 करोड़ रुपए राज्यों को दिए गए हैं।

राज्यों के विकास पर खर्च होती है राशि

देश के सभी राज्यों का विकास बराबरी से हो इसके लिए वित्त आयोग फंड बांटता है। इसके लिए एक फॉर्मूला अपनाता है। इसमें फिस्कल कैपिसिटी, फिस्कल डिसिप्लिन, राज्य की जनसंख्या, राज्य का क्षेत्रफल ध्यान में रखा जाता है। इसके कारण यूपी, एमपी, बिहार जैसे राज्यों को ज्यादा पैसा मिलता है। मोदी 3.0 सरकार के कैबिनेट के गठन के बाद विभागों का 10 जून की शाम बंटवारा हो गया। वित्त मंत्रालय एक बार फिर से निर्मला सीतारमण के हिस्से आया है। विभाग बंटवारे के तुरंत बाद ही वित्त मंत्री ने निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ को 4,761, गुजरात को 4,860, हरियाणा को 1,527, महाराष्ट्र को 8,828, राजस्थान को 8,421, तमिलनाडु को 5,700, पश्चिम बंगाल को 10,513, हिमाचल को 1,159 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसी तरह अन्य राज्यों को भी उनके हिस्से की राशि दी गई है।

भारतीय सेना जल्द ही जारी करेगी जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप,तिब्बत की 30 जगहों के नाम बदलेगा भारत

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर के पद संभालते ही भारत ने चीन के खिलाफ बड़ा कदम उठाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन को काउंटर करने के लिए भारत अब तिब्बत की 30 से ज्यादा जगहों के नाम बदलने जा रहा है। भारतीय सेना जल्द ही जगहों की लिस्ट के साथ एलएसी का नया मैप जारी करेगी। दरअसल, चीन ने अप्रैल में अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदले थे। चीन की सरकार इन इलाकों को अपना क्षेत्र बताती है। ड्रैगन की इसी हरकत का जवाब देने के लिए भारत सरकार ने यह फैसला लिया है।

तिब्बत के इलाकों का नाम बदलने के लिए काफी रिसर्च की गई थी। इस दौरान इन जगहों के भारत की भाषा में पुराने नामों को आधार बनाकर नए नाम रखे गए हैं। भारतीय सेना की इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर डिविजन को इलाकों के नाम बदलने का जिम्मा सौंपा गया था। यह वही डिविजन है, जो गहरी रिसर्च के बाद चीन की तरफ से रखे गए अरुणाचल प्रदेश के इलाकों के नए नामों को भी खारिज करता है। नए नामों की लिस्ट को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय सेना ने पिछले कुछ हफ्तों में अरुणाचल प्रदेश के उन इलाकों का दौरा भी किया, जिन्हें चीन अपना बताता है। इस दौरान पत्रकारों के जरिए क्षेत्रीय लोगों से भी बात की गई। उन्होंने चीन के दावों को खारिज करते हुए खुद को भारतीय नागरिक कहा।

चीन ने 30 जगहों के नाम बदले थे

चीन ने 1 अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताकर वहां की 30 जगहों के नाम बदल दिए थे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, इनमें 11 रिहायशी इलाके, 12 पर्वत, 4 नदियां, एक तालाब और एक पहाड़ों से निकलने वाला रास्ता था। हालांकि, इन जगहों के नाम क्या रखे गए हैं, इस बारे में जानकारी नहीं दी गई। इन नामों को चीनी, तिब्बती और रोमन में जारी किया था। पिछले 7 सालों में ऐसा चौथी बार हुआ था जब चीन ने अरुणाचल की जगहों का नाम बदले। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। अरुणाचल में बढ़ते चीनी दखल और यहां की जगहों के नाम बदले जाने पर भारत कहता आया है कि अरुणाचल हमारा हिस्सा है। अप्रैल 2023 में विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं। अरुणाचल प्रदेश भारत का आतंरिक हिस्सा था, हिस्सा है और रहेगा। इस तरह से नाम बदलने से हकीकत नहीं बदलेगी।

अयोध्यावासियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की तो होगी जेल!

अयोध्या (ईएमएस)। फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी को मिली हार के बाद सोशल मीडिया पर लगातार अयोध्यावासियों के खिलाफ भद्दी और आपत्तिजनक टिप्पणियां की जा रही हैं। इन स्थितियों को देख पुलिस सतर्क हो गयी है। जिसके बाद माहौल खराब करने वाली आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों पर केस दर्ज करके जेल भेजने तक के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या से भाजपा की हार के बाद अयोध्यावासियों को लेकर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां हो रही हैं। लोग उन्हें गद्दार, धोखेबाज, राम विरोधी जैसे तमाम आपत्तिजनक व अपमानजनक शब्दों से संबोधित कर रहे हैं। इसे लेकर विरोध के स्वर भी उठ रहे हैं। कुछ लोग सोशल मीडिया पर इसकी प्रतिक्रिया दे रहे हैं तो कुछ लोगों ने शिकायत भी दर्ज कराई है। वहीं इस रवैये से माहौल खराब होने का अंदेशा बढ़ गया है। इसे देखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट हो गई है। अमन-चैन में खलल पैदा करने वालों पर निगाह तेज की गई है। पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कई सोशल मीडिया अकाउंट को चिह्नित किया गया है। उनकी पोस्ट और उस पर आने वाली टिप्पणियों की निगरानी की जा रही है।

आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि कुछ अराजक किस्म के लोग आपत्तिजनक पोस्ट करके माहौल बिगाड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। उन्हें चिह्नित करके उनके सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला जा रहा है। कोई भी पोस्ट विधिसम्मत न होने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके कठोर कार्रवाई की जाएगी। कुछ मामलों में शिकायत मिलने के बाद केस दर्ज भी किया गया है। लोगों से अपील है कि वह शांति व्यवस्था कायम रखने में सहयोग करें और किसी तरह के आपत्तिजनक पोस्ट वायरल होने पर शिकायत दर्ज कराएं।

महाराष्ट्र में अजीत-शिंदे को लगेगा झटका, 25 से ज्यादा विधायक-सांसद छोड़ेंगे साथ

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की करारी पराजय और महाराष्ट्र विकास अघाड़ी की शानदार जीत के बाद अब राकांपा और शिवसेना छोडक़र गए 25 से ज्यादा विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटने को तैयार हैं। राकांपा (शरद पवार) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अजीत पवार के साथ गए विधायक और सांसद वापस पार्टी में लौटना चाहते हैं। वहीं शिवसेना छोडक़र एकनाथ शिंदे के साथ गए कई विधायक और सांसद भी वापस शिवसेना में लौटना चाहते हैं। महाराष्ट्र में कुछ माह में विधानसभा चुनाव है। ऐसे में शिंदे और अजीत पवार गुट के विधायक और सांसद दोबारा अपनी पार्टी में लौटते हैं तो विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए को बड़ा झटका लग सकता है।

नडडा और शिवराज आऊट ,अध्यक्ष की रेस में ये चार नाम इन

नई दिल्ली (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार एनडीए की सरकार बन गई है। इस बार बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को भी कैबिनेट में जगह दी गई है। नड्डा की कैबिनेट में वापसी के बाद बीजेपी नेतृत्व में बदलाव की चर्चा भी तेज हो गई है।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि नड्डा की जगह कौन अध्यक्ष बनेगा। इस रेस में दो नाम सबसे आगे चल रहे थे। पहला धर्मेंद्र प्रधान और दूसरा शिवराज सिंह चौहान... लेकिन इन दोनों को मोदी कैबिनेट में जगह मिल गई है। अब इन दोनों नेताओं का अध्यक्ष बनाना नामुकिन है। धर्मेंद्र प्रधान ओडिशा से हैं। उन्होंने 1983 में अपनी राजनीति की शुरुआत एबीवीपी से की थी। हालांकि, अब ओडिशा में बीजेपी की सरकार बन गई है और प्रधान को कैबिनेट में शामिल किया गया है इससे तय हो गया हैं वे इस रेस से बाहर हैं।

इस तरह से मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह का नाम भी रेस में था। लेकिन उन्हें भी मोदी कैबिनेट में जगह दे दी गई। उन्हें कृषि मंत्रालय दिया गया है। इसके बाद वे भी रेस से बाहर हो चुके है। अब बीजेपी के अध्यक्ष पद के लिए चार और नामों को रेस में आगे माना जा रहा है। इनमें एक नाम विनोद तावड़े का भी है। तावड़े बीजेपी के महासचिव हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रह चुके तावड़े को बीएल संतोष के बाद सबसे ज्यादा प्रभावशाली महासचिव माना जाता है। वे मराठी हैं। इस साल महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव भी हैं, इसके बाद तावड़े इस रेस में आगे माने जा रहे हैं।

दूसरा नाम बीजेपी ओबीसी मोर्चा चीफ के लक्ष्मण का भी है। लक्ष्मण तेलंगाना से आते हैं। ये वहीं राज्य है, जहां बीजेपी आंध्र प्रदेश के बाद सबसे ज्यादा ध्यान दे रही है। बीजेपी अध्यक्ष की रेस में सुनील बंसल का नाम भी शामिल है, जो वर्तमान में महासचिव हैं। साथ ही साथ वह पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और ओडिशा जैसे तीन राज्यों के इंचार्ज भी हैं। बताया जा रहा हैं कि राजस्थान से राज्यसभा सदस्य और भैरों सिंह शेखावत के शिष्य ओम माथुर भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की दौड़ में हैं। माथुर को चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ अपनी बात कहने के लिए जाना जाता है। वे संघ के प्रचारक रहे हैं और पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात के प्रभारी भी रह चुके हैं।

जन हितैषी

अहंकार और मर्यादा पर संघ प्रमुख के विचार, चर्चाओं में

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने नागपुर में आयोजित कार्यकर्ता विकासवर्ग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर आम सहमति के महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने मणिपुर में पिछले 1 वर्ष से जो हिंसा हो रही है। उस पर चिंता जाहिर की। निश्चित रूप से उन्होंने सरकार से पूछा है, कि वहां की जमीनी हकीकत पर कौन ध्यान देगा। मणिपुर के मामले को प्राथमिकता से निपटने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, जो बड़ा सेवक होता है। वह मर्यादा के साथ चलता है। मर्यादा में रहते हुए कर्म का पालन करता है। वह कर्मों से लिपटा नहीं रहता है। उन्होंने कहा कि कर्म करने के बाद जिसे अहंकार नहीं आता है, वही सेवक बनने का अधिकारी होता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने यह बयान तीसरी बार एनडीए की सरकार बनने के बाद दिया है। जब तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता की बागडोर संभाल रहे है। उनकी नसीहत शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए थी। चुनाव को युद्ध की नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा के रूप में देखा जाना चाहिए। चुनाव के दौरान जिस तरह से मर्यादाओं का उल्लंघन किया गया है। उस पर उन्होंने दोनों पक्षों को सबक देते हुए कहा, जो वर्तमान में हो रहा है। वह सामाजिक विभाजन पैदा कर रहा है। इसमें संघ को अकारण घसीटा जा रहा है। मोहन भागवत ने कहा वह प्रतिपक्ष को विरोधी नहीं मानते हैं। प्रतिपक्ष भी एक पक्ष को उजागर करता है। सभी विचारों पर विचार विमर्श होना ही चाहिए। चुनाव के लिए आवश्यक शिष्टाचार का होना जरूरी है। इस लोकसभा के चुनाव में किसी भी पक्ष द्वारा मर्यादा का पालन नहीं किया गया। मोहन भागवत ने यह भी कहा, सरकार और प्रतिपक्ष के बीच प्रति स्पर्धा होती है, दुश्मनी नहीं। दोनों का उद्देश्य आम सहमति बनाते हुए समाज कल्याण का काम करना होता है। मतभेदों के बावजूद भी हम सभी को एक साथ चलना होता है। हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। सभी को भविष्य के बारे में सोचना होगा। मणिपुर में जैसी हिंसा हो रही है, उसे रोकना होगा। मणिपुर की बंदूक संस्कृति जो पिछले कई माहों में पनपी है। इससे निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का हमेशा से हिंदू महासभा, जनसंघ, उसके बाद भारतीय जनता पार्टी के ऊपर वैचारिक और अप्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण रहा है। आज भारत में संघ के 90 से ज्यादा अनुवांशिक संगठन काम कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में संघ की, सत्ता पर पकड़ बहुत कमजोर हुई है। संघ और उनके अनुवांशिक संगठन सत्ता में आने के पहले जिन बातों की आलोचना करते थे। वर्तमान में हुए विपरीत काम कर रहे हैं। किसानों, मजदूरों, स्वदेशी जागरण मंच इत्यादि के माध्यम से जब भाजपा सत्ता में नहीं थी, तब क्या कहते थे। आज क्या कर रहे हैं। यह जनता भी देख और समझ रही है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जो कहा है। निश्चित रूप से उसका पालन करने की जिम्मेदारी सबसे पहले सत्ता पक्ष की होती है। केंद्र में 2014 से भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला हुआ है। पिछले 10 सालों के कार्यकाल में जिस तरह से कांग्रेस मुक्त भारत विपक्ष मुक्त भारत, एक राष्ट्र एक चुनाव, 100 फ़ीसदी विदेशी निवेश, रिटेल सेक्टर में विदेशी निवेश का प्रवेश पिछले 10 सालों में जिस तरह से हुआ है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर सामाजिक वेमनष्यता, संवैधानिक संस्थानों पर सत्ता का दबाव बना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने समय रहते अपने प्रभाव का इस्तेमाल ना तो मर्यादा के लिए किया। नाही नैतिकता के लिए किया है। उल्टा आंख बंद करके सरकार की मदद करने का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ऐसी स्थिति में यह भी माना जा सकता है, पर उपदेश कुशल बहुतेरे। आज केंद्र में गठबंधन की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है, ऐसी स्थिति में सहयोगी दलों को सत्ता पक्ष से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख ने विश्वास दिलाने की यह बात की है। संघ लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका, सरकार की जिम्मेदारी तथा सभी पक्षों को नैतिकता और मर्यादा का पाठ पढ़ाते हुए, मोदी सरकार को सशक्त बनाने के लिए उनका यह एक प्रयास माना जा रहा है। आम लोगों के बीच में यह धारणा बनने लगी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुवांशिक संगठन तथा भाजपा के लोग समय-समय पर जो कहते हैं। वह करते नहीं है, जो करते हैं, वह कहते नहीं हैं। सामने से कुछ और पर्दे के पीछे से कुछ और कहा जाता है। जिसके कारण संघ की प्रमाणिकता में संदेह होने लगा है। संघ के प्रचारक और स्वयंसेवक जिस तरह से सत्ता द्वारा, संगठन में

लाये जा रहे हैं। भाजपा संगठन में अन्य विचारधाराओं के लोग बड़ी तेजी के साथ प्रमुख पदों में बैठाये जा रहे हैं। उसमें सबसे ज्यादा नुकसान संघ को ही हो रहा है। संघ के पास अब वैसे स्वयंसेवक और प्रचारक नहीं बचे हैं। जो एक विचारधारा को लेकर जन समुदाय के बीच लगातार सक्रिय होते थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में संघ और भाजपा का विशाल संगठन होते हुए, जिस तरह की पराजय का सामना करना पड़ा है। उससे सबक लेने की जरूरत है। मीठी-चुपड़ी बातें और भय का असर ज्यादा देर तक नहीं रहता हैं। यह डिजिटल मीडिया का जमाना है। पहले क्या कहा था, आप क्या कह रहे हैं, बीच में क्या किया है, अब यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। ऐसी स्थिति में संघ प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान को सत्ता पक्ष और विपक्ष किस तरह से लेगा, कहना मुश्किल है। इतना जरूर है, संघ प्रमुख ने जो कहा है, वह 100 फ़ीसदी सही है। कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। संघ का भाजपा में प्रभाव है। सत्ता से इसकी शुरुआत होनी चाहिए। एक-दूसरे के ऊपर विश्वास और भरोसा बढ़ेगा, तभी सामाजिक समन्वय बढ़ेगा सत्ता पक्ष और विपक्ष अपनी जिम्मेदारियां को समझते हुए भविष्य के लिए आगे बढ़ेंगे। इसके लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत के विचारों का वास्तविक स्वरूप प्रयास किए जाते हैं तो यह राष्ट्रीय हित में होगा।

बाल श्रम पर लगे लगाम

(12 जून विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर विशेष)

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से ही किताबों को छोड़कर कल-कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा। इसीलिये बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं. जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है।

वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये।

पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक घटना है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है।

समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिये। लोगों को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये व बच्चो से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्यवाही करवानी चाहिये तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी। कानूनन कार्यवाही के डर से मालिक बाल श्रमिको को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेगें। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

अब भी बरकरार है हर पुराना खतरा

देश में आम चुनाव हो गए। गठबंधन की नयी सरकार बन गयी। विभागों का वितरण भी हो गया। छत्तीसगढ़ में हिंसा भी हो गयी ,और सबसे बड़ी बात की जिस मणिपुर की हिंसा पर प्रधानमंत्री आजतक नहीं बोले उसके बारे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अधिनायक डॉ मोहन भागवत भी बोल गए। इस सबके बावजूद असली बात ये है कि चुनाव से पूर्व देश जिन खतरों का समान कर रहा था ,वे सब आज भी बरकरार हैं।

आप गौर से देखें तो ये नई सरकार अल्पमत की और गठबंधन की सरकार जरूर हैं लेकिन इसका केवल नाम बदला हैं,काम नही। नई सरकार के हाथों में आज भी वे सब हथियार और सिपाहसालार हैं जो चुनाव से पहले आपके मंगलसूत्र के लिए खतरा बता रहे थे। आपकी भैंस खोले जाने का हौवा खड़ा कर रहे थे। हिन्दू-मुसलमान और धर्म के आधार पर आरक्षण को रोकने की बात कर रहे थे। यानि हौवा भी मौजूद हैं और हौवा खड़े करने वाले भी।

गठबंधन कि सरकार में ईडी और सीबीआई जैसे हिंसक चौपाये अभी भी गठबंधन कि अगुवाई कर रही भाजपा के पास हैं। यानि विपक्ष को कुचलने और परेशान करने के सारे औजार भाजपा ने अपने हाथों में रखे है। सहयोगी दलों को उन्हें छूने भी नहीं दिया,क्योंकि मुमकिन हैं कि आने वाले कल में इन हथियारों का इस्तेमाल भाजपा को अपने गठबंधन के साथियों के खिलाफ ही करना पड़े ! अतीत में भाजपा ने ऐसा किया भी हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस हिकमत अमली से नए मंत्रियों को विभागों का वितरण किया हैं उससे साफ़ जाहिर हैं कि उनकी निगाहें कहीं और निशाना कहीं और हैं। माननीय का देश को कांग्रेस विहीन करने का सपना अभी मरा नहीं हैं बल्कि शीतनिन्द्रा में चला गया हैं। जैसे ही आने वाले दिनों में महाराष्ट्र,जम्मू-कश्मीर और हरियाणा जैसे राज्यों के विधानसभा चुनावों कि घोषणा होगी इस सरकार के छिपे हुए नाखून फिर से बाहर निकल आएंगे। आपको पता हैं न कि नाखून छिपाने की कला केवल हिंसक प्रवृत्ति के जानवरों में होती हैं,भले ही वे जंगली जानवर हों या पालतू।

आपको भूलना नहीं चाहिए कि भाजपा 365 दिन, 24 घंटे चुनावी मोड में रहने वाली पार्टी हैं। इसलिए ये पार्टी अपना 2029 और 2047 तक का सपना पूरा करने के लिए आने वाले दिनों में क्या कुछ करेगी,कहना कठिन हैं। मै तो मश्विरा दूंगा कि नयी सरकार में इतने सारे विभागों के साथ एक पृथक विभाग चुनावों का होना चाहिये। इसका प्रभार माननीय प्रधानमंत्री खुद अपने पास रखें। इस विभाग के लिए बजट के साथ ही चुनाव केयर फंड भी बनाया जाना चाहिए प्रधानमंत्री केयर फंड की तरह। इस तरह के फंड का कोई हिसाब-किताब न रखना पड़ता हैं और न देना पड़ता हैं। और यदि गिरीश मुर्मू जैसा सीएजी हो तो इसकी जांच भी कोई नहीं कर सकता।

बहरहाल बात चल रही थी उन खतरों की जो बरकरार है। पहला खतरा संविधान पर ही हैं। माननीय ने भले ही संसदीय दल ,गठबंधन और सदन का नेता चुने जाने से पहले संविधान की प्रति को माथे से लगाया था लेकिन देश में शायद ही किसी को इस बात पर यकीन हो कि नयी सरकार संविधान की कसम खाकर सबके साथ सबका विकास करेगी। नई सरकार में देश कि 20 करोड़ की मुस्लिम आबादी का कोई प्रतिनिधि नहीं है। माननीय राष्ट्रपति चाहें भी तो इस समाज के किसी प्रतिनिधि को सदन में नामजद कर उसे मंत्री बनाने के लिए भी नहीं कह सकतीं। उनके हाथ बंधे हैं। यानी भाजपा हिन्दू राष्ट्र तो नहीं बना सकी लेकिन उसने देश को एक हिन्दू सरकार जरूर दे दी ,जिसमें भाजपा की दुश्मन नंबर दो मुसलमान बिरादरी नहीं है। भाजपा की दुश्मन नंबर एक तो कांग्रेस हैं ,जो बीते दस साल में मर कर भी नहीं मर रही। हर चुनाव के बाद दोगुने उत्साह से खड़ी हो जाती है। भले ही सत्ता उसके लिए अभी भी कोसों दूर हैं

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत का बयान हैं जो उन्होंने नई सरकार को समझाइश बतौर दिया हैं। डॉ मोहन भागवत की भागवत को भाजपा पहले ही सुनने से इंकार कर चुकी है। चुनावों के बीच में ही भाजपा अध्यक्ष माननीय जेपी नड्डा जी ने अपने श्रीमुख से कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं हैं। उन्होंने एकदम सही कहा था। भाजपा को भले संघ की जरूरत न हो किन्तु संघ को तो भाजपा कि जरूरत है। संघ ने तो आजतक नहीं कहा कि उसे भाजपा की जरूरत नहीं हैं ? संघ प्रमुख शंकराचार्य की मुद्रा में नयी सरकार को सीख दे रहे हैं कि नई सरकार जलते मणिपुर को देखे। विपक्ष को प्रतिपक्ष समझे। डॉ भागवत ने भाजपा को बेनकाब करते हुए मुजाहिरा किया हैं कि इस बार भी हमने अपने लोकमत जागरण का काम किया है. वास्तविक सेवक मर्यादा का पालन करते हुए चलता है. अपने कर्तव्य को कुशलता पूर्वक करना आवश्यक है.लेकिन क्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के असली शांकराचार्यों की बात न मानने वाले लोग संघ के शंकरचार्य की बात मानेंगे ?

चूंकि मै अविनाशी नहीं हूँ इसलिए मेरे पास कोई तीसरा नेत्र नहीं हैं ,किन्तु मेरे पास एक अंतर्चेतना हैं जो मुझे आगाह करती है। मुझे लगता हैं कि जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी ,उनकी भाजपा ने अपना एजेंडा नहीं बदला हैं उसी तरह संघ ने भी अपना एजेंडा नहीं बदला हैं। डॉ भागवत ने कहा, हजारों वर्षों से जो पाप हमने किया, उसका प्रायश्चित करना होगा। भारतोद्भव जो लोग हैं, उनसे मिलना आसान है क्योंकि इसकी एक ही बुनियाद है। वही यम नियमात्मक आचरण का पुरस्कार सर्वत्र है। पैगंबर साहब का इस्लाम क्या है, सोचना पड़ेगा ? ईसा मसीह की ईसाइयत क्या है सोचना पड़ेगा ? भगवान ने सबको बनाया है। भगवान की बनाई जो कायनात है, उसके प्रति अपनी भावना क्या होनी चाहिए सोचना पड़ेगा ? जाहिर हैं कि ये एक छिपी हुई धमकी हैं उन लोगों के लिए जिन्हें भाजपा और संघ भारतीय नहीं मानता। इन लोगों में 20 करोड़ मुस्लिम ही नहीं बल्कि वे लोग भी हैं जो प्रश्न करते हैं,जो अंधविश्वास के खिलाफ खड़े होते हैं। जो संविधान की बात करते हैं। जिनकी भाषा माननीयों को अर्बन नक्सलियों की भाषा लगती हैं। जिसे बोलने वाले शाहजादे नजर आते हैं।

बहरहाल गठबंधन कि नई सरकार को लख-लख बधाइयां ,नए मंत्रियों को उनके नए विभाग मुबारक। खासतौर पर मध्यप्रदेश के कोटे से मंत्री बनाये गए मामा शिवराज सिंह को बधाई ,क्योंकि उन्हें वो जिम्मेदारी दी गयी हैं जो उनके मित्र नरेंद्र सिंह तोमर नहीं निभा पाए थे। तोमर के हिस्से में एक नाकाम कृषि मंत्री होना ही आया था। तोमर के दामन पर 700 किसानों की शहादत के चिन्ह हैं (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

विपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल

चुनाव में हार जीत लगा रहता है, या तो सत्ता मिलती है या सत्ता जाती है जीवन का गहरा, सच्चा और स्थायी सुख कब दूसरों के सुख के लिए जीने से मिलता है किसी भी स्थिति के लिए जनता का फैसला सर्वमान्य होता है जिसे स्वीकार करना चाहिए सत्ता मिलने पर जाने का भय भी एक चुनौती होती है सत्ता ना मिलने पर चिंता नहीं करनी चाहिए, जनता की सेवा में लग जाना चाहिए क्योंकि दूसरों को सुख देनेवाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं हो सकता है। न हि कल्याणकृत् कश्चित् दुर्गतिं तात गच्छति (गीता) अर्थात् दूसरों के सुख के लिए जीनेवाल व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होता है। अपना अपमान अथवा अपनी हानि करनेवालो के भी दुःख में सुख ढूँढ़नेवाला कभी सुखी नहीं हो सकता। जीवन का सत्कार करनेवाला सबसे प्रेम करता है, सबको यथाशक्ति, यथासम्भव सुख देने का प्रयत्न करता है। मानवमात्र के प्रति प्रेम करना ही मानव का सबसे बड़ा बल है। जीवन दीर्घ हो या लघु, महान् होना चाहिए। सबसे प्रेम करनेवाला, सबको सुख पहुँचानेवाला व्यक्ति सबसे बड़ा है। अच्छी प्रकार जिया हुआ लघु जीवन निरर्थक दीर्घ जीवन की अपेक्षा अधिक अच्छा है। जब तक जीवन रहे, समस्त भय छोड़कर सबको सुख देते रहें। प्रभु से अपने लिए नहीं, दूसरों के लिए प्रार्थना करें। दूसरों की मंगलकामना करे से अपना भी मंगल हो जाता है। सबके लिए जीनेवाला व्यक्ति मरकर भी अमर रहता है। दूसरों के लिए जीना, दूसरों के लिए प्रार्थना करना, दूसरों के सुख के लिए स्वयं दुःख उठाना, सच्चे सुख की सच्ची राह है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ समय के लिए अकारण ही मानसिक उदासी और उत्फुल्लता का दौर आता रहता है। उदासी के दौर में निराशा को घर करने न देना चाहिए तथा समझ लेना चाहिए कि वह दौर स्वयमेव निकल जायगा। उत्फुल्लता के दौर में किसी उत्तम कर्म में जुट जाना चाहिए। सब प्रकार के पश्चात्ताप छोड़ दें। भूलों पर पछतावा करते रहने से शक्ति कुण्ठित होती है। अपनी पुरानी भूलों को पाप की संज्ञा देकर अपने को पापी एवं कलंकित मान बैठना और आत्मग्लानि की दलदल में धँसे रहा महापाप है। भूतकाल को स्वप्न की भाँति मिथ्या समझकर उसके साथ अपना नाता तोड़ दीजिये और वर्तमान को उल्लासमय बनाने का सच्चा प्रयत्न कीजिए। भूल को स्वीकार करने से भूल का अन्त हो जाता है। सत्ता ना मिलने पर ये समझ लेना चाहिए जनता हमारे व्यवहार से दुःखी है और एक ही गलती को हम बार-बार दोहरा रहे हैं हाँ, सत्पुरुष अपनी भूल को स्वीकार करने में नहीं हिचकता है, क्योंकि भूल स्वीकार करने से मन हलका होता है तथा सुधार प्रारंभ हो जाता है। भूल मानते ही गलत पग को पीछे हटा लेना तथा भूल करते न रहना शूरवीर का काम है। आगे सँभलकर चलें और आगे बढ़ें। पूर्ण कौन है ? किससे कभी भूल नहीं होती ? कौन सदैव सफल होता है ? भूल अथवा विफलता हो गयी तो आत्मग्लानि की क्या बात है ? बीती ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ। दूसरों के सामने रो-रोकर पुरानी भूलों के गीत गाने से भूलों के संस्कार दृढ़ होते हैं, शक्ति का ह्रास होता है तथा उत्साह का क्षय होता है। पुरानी भूलों के स्मरण में उलझे रहने से प्रगति ही अवरुद्ध हो जाती है।

सच्चा पछतावा वह है जो दोष को भस्म करके शीघ्र ही स्वयं भी विलुप्त हो जाये तथा आप भविष्य के लिए संकल्प लेकर शांत एवं शीतल हो जायँ और तत्पश्चात् बार-बार भूलों को न याद करें, न दुःख मानें। ग्लैडस्टोन ने कहा था कि कोई मनुष्य बहुत-सी और बड़ी-बड़ी भूलें बिना किये हुए कभी बड़ा या भला नहीं बना। चुनाव हारने वाले दल, जो सरकार बनाने में असफल रहते हैं, विरोधी पक्ष की भूमिका निभाते हैं तथा वे सरकार के कामकाज, नीतियों तथा असफलताओं की आलोचना करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करते हैं। वे तानाशाही सत्ता को अपनाने से सरकार को रोकते हैं। इसके लिए विरोधी दल सदन में कुछ विधियों का प्रयोग करते हैं जैसे - अविश्वास प्रस्ताव और ध्यानकर्षण। विधायिका से बाहर भी वे सरकार की संगठित आलोचना जारी रखते हैं। विरोधी पक्षों का काम विरोध करना, पोल खोलना तथा सत्ता से उतारना माना जाता है। इस प्रकार उनका उद्देश्य देश में एक बेहतर शासन सुनिश्चित करना होता है। महान गायत्रीसाधक आचार्य पं श्री राम शर्मा ने कहा है कि जिस शिक्षा में समाज और राष्ट्र की बात नहीं हो, वह सही नहीं कही जा सकती।अतः राष्ट्र सर्वोपरि है सभी दलों को राष्ट्र को ही हमेशा सबसे बड़ा है उसके प्रति ही सोचना चाहिए और ऐसा नहीं करना चाहिए जिससे सेना को अपमान सहना पड़े और पड़ोसी दोस्त जो हमारी पिठ में छुरा ही नहीं तलवार घोंप रहा हो वह राष्ट्रविरोधी बयान से खुश होविपक्षी दल का एकजुट होना मुश्किल है कारण अपने राज्य में कई दल उसके अलग हो कर चुनाव लड़ा है और आम आदमी पार्टी की दिल्ली में हार कांग्रेस के गठबंधन से हुई है ममता की पार्टी ने कांग्रेस खिलाफ लड़ा तभी 29सीट मिले और अब इण्डिया गठबंधन में भी है कमल की बात है. आज 20-30सीट वाली पार्टी प्रधानमंत्री बनने के सपने देख रही है इतना मालूम होना चाहिए माननीय राष्ट्रपति पहले बड़े दल को ही सरकार को आमंत्रित करती है यानि जनादेश को भी देखना चाहिए की बड़ी पार्टी बीजेपी है जो 240सीट लाई है और बड़ी पार्टी है एन डी ए को 292 सीट मिली है यानि सरकार तो बनाना तय है और हुआ विपक्ष को 99सीट क्यों मिले इसपर ग़ौर करना चाहिए। (लेखक- संजय गोस्वामी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8035

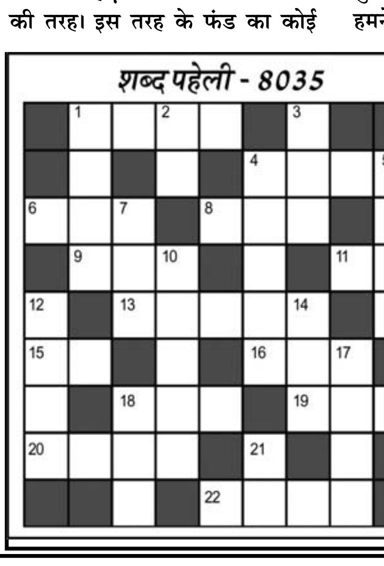

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं. -2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. वन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8034 का हल

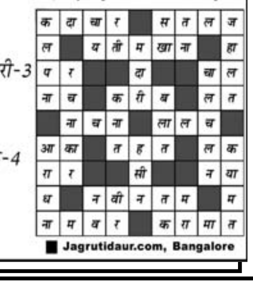

Jagrutidaur.com, Bangalore

सम्पादकीय

खेल - समाचार

नामीबिया को हराकर सुपर आठ में जगह पक्की करने उतरेगी ऑस्ट्रेलिया

नॉर्थ साउंड (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार को यहां कम नामीबिया के खिलाफ ग्रुप बी मुकाबले में बढ़ी जीत दर्ज कर सुपर आठ में जगह तय करने उतरतेगी। ऑस्ट्रेलिया ने अब तक अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं और अब उसका लक्ष्य नामीबिया जेसी कमजोर टीम को बड़े अंतर से हराना रहेगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम अब तक इस इस टूर्नामेंट में 200 रन से अधिक बनाने वाली अकेली टीम है। इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबले में 36 रनों से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में ओमान को 39 रन से हराया था। इस प्रकार उसके दो मैच में दो जीत से चार अंक हैं। वहीं स्कॉटलैंड की टीम तीन मैच में पांच अंक के साथ शीर्ष पर है। नामीबिया को हराकर ऑस्ट्रेलिया का सुपर आठ में पहुंचना पक्का हो जाएगा। इसके बाद टीम स्कॉटलैंड के खिलाफ ग्रुप बी का अपना अंतिम मैच खेलेगी। वहीं स्कॉटलैंड के पास गत चैंपियन इंग्लैंड को हराकर सुपर आठ में पहुंचने का अवसर है।

इंग्लैंड के दो मैच में एक अंक हैं। स्कॉटलैंड के खिलाफ उसका पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले अभ्यास मैच में नामीबिया को सात विकेट से हराया था जिससे विरोधी टीम इस बार भी उसके खिलाफ दबाव में रहेगी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर शानदार फार्म में चल रहे हैं। वार्नर ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक लगाया जबकि इंग्लैंड के खिलाफ 16 गेंद में 39 रन बनाये थे। अब वह एक बार फिर इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। वार्नर के सलामी जोड़ीदार ट्रेविस हेड भी अच्छी फॉर्म में हैं और दोनों ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर तेज शुरुआत देना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर नामीबिया को ओमान के खिलाफ सुपर ओवर में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अपने ऑलराउंडर डेविड वाइसे से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। इसके अलावा उसके स्पिनर बर्नार्ड श्कोल्ट्ज से भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके बाद भी ये मैच एकतरफा होना तय है क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम के सामने नामीबिया कहीं नहीं टिकती।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर और एडम जंपा।

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), जेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्राइलिंक, जेपी कोट्जे, डेविड वाइसे, बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, मालन क्रूगर और पीडी ब्लिगनॉट।

आईसीसी ने आचारसंहिता उल्लंघन के लिए वेड को फटकारा

बारबाडोस (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को आचारसंहित उल्लंघन के लिए फटकारा है। वेड ने इंग्लैंड के खिलाफ हुए टी-20 विश्वकप ग्रुप बी के मुकाबले में अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताते हुए बहस की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इसे आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन माना है। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा , 'वेड को आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए सजा दी गयी है।

ऑस्ट्रेलिया ने इस मुकाबले में जीत हासिल की थी। यह मामला तब का है जब ऑस्ट्रेलिया की पारी के 18वें ओवर में वेड ने आदिल राशिद की गेंद को खेला। वेड को लगा कि अंपायर इसे 'डेड बॉल करार देंगे पर ऐसा नहीं हुआ जिसपर वह अंपायरों से बहस करने लगे।

वेड ने हालांकि इस मामले में आईसीसी मैच रैफरियों के एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली। इसलिए उनके मामले में आधिकारिक सुनवाई नहीं हुई। इसके साथ ही वेड के अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया।

टी20 विश्व कप : बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने अंपायर के फैसले पर सवाल उठाये

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। टी20 विश्व कप 2024 में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश मैच में खराब अंपायरिंग पर सवाल उठे हैं। इस मैच में बांग्लादेश की हार के बाद उसके खिलाड़ियों ने अंपायर के फैसले की आलोचना की है। इस मैच में बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान ओटनील बार्टमैन की एक गेंद महमूदुल्लाह के पैर से लगते बाउंड्री के बाहर चली गयी। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर एलबीडब्ल्यू की अपील की जिसपर अंपायर ने महमूदुल्लाह को आउट करार दिया। बांग्लादेश ने इस फैसले के खिलाफ डीआरएस लिया और तीसरे अंपायर ने महमूदुल्लाह को नॉट आउट करार दिया। अंपायर के आउट दिया था इसलिए इस गेंद को डेड बॉल करार दिया गया जिस कारण बांग्लादेश को वो चार नहीं मिले और अंत में बांग्लादेश हार गयी।

अंपायर के इस फैसले से नाराज बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद ह्रदोय ने कहा, ऐसे रोमांचक मैच में यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था। मेरे नजरिये में अंपायर ने महमूदुल्लाह को आउट करार दिया, पर यह हमारे लिए काफी कठिन फैसला रहा। वो चार रन मैच का परिणाम बदल सकते थे। नियम हमारे हाथ में नहीं हैं। उस समय वो चार रन काफी अहम थे। अंपायर ने हालांकि फैसला लिया और वे भी इंसान हैं तो उनसे भी गलती हो सकती है। उन्होंने कुछ मौकों पर वाइड गेंदों को वाइड नहीं दिया। ऐसे स्थल पर जहां कम स्कोर वाले मुकाबले हो रहे हैं, वहां एक-दो रन काफी अंतर पैदा करते हैं।

इस बल्लेबाज ने माना है कि इस करीबी मैच में अंपायरिंग का स्तर बेहतर हो सकता था, खासकर तब जब कोई टीम छोटे लक्ष्य का पीछा कर रही हो।

ओलंपिक के लिए 15 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम घोषित, दो स्पर्धाओं में भाग लेंगी मनु

नई दिल्ली (ईएमएस)। आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा हो गयी है। इसमें स्टार खिलाड़ी मनु भाकर ही दो स्पर्धाओं में भाग लेंगी बाकि सभी खिलाड़ी केवल एक स्पर्धा में हिस्सा लेंगी। भारतीय निशानेबाजी महासंघ ने 15 सदस्यीय राइफल और पिस्टल टीम की का चयन एक वर्चुअल बैठक में किया। महासंघ ने इस टीम में 8 राइफल और 7 पिस्टल निशानेबाजों को शामिल किया है। इसमें विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल को जगह नहीं मिली है। इसका कारण है कि रुद्राक्ष चयन ट्रायल में विफल रहे थे। भारतीय टीम के सभी सदस्य अभी कोच और सहयोगी स्टाफ के साथ फ्रांस के वोल्मेरेंज लेस माइंस में अभ्यास कर रहे हैं। इस शिविर को हालातों से तालमेल बैठाने के लिए लगाया गया है। ओलंपिक में जाने से पहले सभी खिलाड़ी दो सप्ताह के लिए स्वदेश लौटेंगे। वहीं शॉटगन टीम की घोषणा इटली के लोनाटो में होने वाले विश्व कप के बाद की जाएगी, जिसमें प्रतियोगिताएं बुधवार से शुरू होकर 18 जून तक चलेंगी। पेरिस ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित किए जाएंगे। भारतीय निशानेबाजों ने इस बार संभावित 24 में से 21 कोटा स्थान हासिल किए थे। राइफल और पिस्टल में उसने सभी आठ आठ कोटा स्थान हासिल किए हैं। भारत ने इससे पहले कभी इतनी अधिक कोटा स्थान हासिल नहीं किए थे। तोक्यो ओलंपिक के लिए भारत ने 15 कोटा स्थान हासिल किए थे।

टीम इस प्रकार है :

राइफल : संदीप सिंह, अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला), सिफ्ट कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिला), ऐश्वर्य तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष)

पिस्टल : सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष), मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला), अनीश भानवाल विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष), मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)

गुरप्रीत बने भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री के संन्यास के बाद अब गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू भारतीय फुटबॉल टीम की कप्तानी करेंगे। गुरप्रीत कतर के खिलाफ 2026 फीफा विश्व कप क्वॉलिफाइंग मैच के साथ ही कप्तानी शुरु करेंगे। अब टीम की कमान गुरप्रीत सिंह संधू कौ सौंपी गई है जो भारतीय टीम के गोलकीपर भी हैं।

भारतीय टीम का लक्ष्य इस क्वालीफाइंग मैच में जीत दर्ज कर विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे चरण में जगह बनाना रहेगा। सुनील छेत्री के संन्यास के बाद ये गुरप्रीत का पहला मुकाबला होगा और इसमें उनके पास गोलकीपिंग के साथ ही टीम की कमान संभालने की जिम्मेदारी रहेगी।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिश्रित संकेतों के बीच ही घरेलू बाजार भी उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज तेजी के साथ 76,680.90 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 76,860.53 के उच्च और 76,296.44 अंक के निचले स्तर पर रहा और अंत में 0.04 फीसदी करीब 33.49 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 76,456.59 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी 0.02 फीसदी तकरीबन 5.65 अंक की हल्की तेजी के साथ ही 23,264.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एलएंडटी का शेयर सबसे ज्यादा 1.64 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। इसके साथ ही टाटा मोटर्स, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्रा सीमेंट, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, एसबीआई, एचडीएफ़सी बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर कोटक महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 1.44 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा एशियन पेंट्स, आईटीसी, रिलायंस, सन फार्मा, एक्सिस बैंक के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी।

आज कारोबार के दौरान 13 प्रमुख क्षेत्रों में से सात में बढ़त रही। तेल और गैस के शेयरों में 1.33 फीसदी की तेजी आई। वहीं गत सप्ताह लगभग 3.4 फीसदी बढ़ने के बाद निफ्टी इस सप्ताह अब तक लगभग 0.1 फीसदी गिरा है।

इससे पहले आज सुबह वै?श्विक बाजारों से ?मिलेजुले संकेतों की वजह से बाजार लाल निशान में खुले। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी अपने पिछले बंद से मामूली गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स 25 अंक गिरकर 76,464 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 0.06 फीसदी नीचे आकर 23,244 के स्तर पर आ गया। सेंसेक्स पर एनटीपीसी, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन टुब्रो, एचसीएल टेक एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट और पावरग्रिड टॉप गेनर्स की लिस्ट में रहे, जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक टॉप लूजर्स में रहे। निफ्टी 50 पर आयशर मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स और एचयूएल टॉप 5 गेनर्स में ।

चीन में चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल

बीजिंग (ईएमएस)। चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे तभी उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गए। स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, ब्रांड ने कहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं।

विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इंकार किया। चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया। आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़बनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़बनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है। आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं। यह हमला उस समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, यू.एस. और चीन, समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रही हैं। पिछले नवंबर में अमेरिका की यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बीजिंग अगले पांच वर्षों में 50,000 युवा अमेरिकियों को आदान-प्रदान और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए चीन आमंत्रित करने के लिए तैयार है। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका में लगभग 300,000 चीनी छात्र हैं, जबकि चीन में 900 से कम अमेरिकी अध्ययन कर रहे हैं। हालाँकि चीन में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक नियंत्रण कानून हैं, लेकिन चाकू से हमले असामान्य नहीं हैं।

टी20 विश्वकप : अमेरिका के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम,रात 8 बजे से होगा मुकाबला

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारतीय टीम बुधवार को यहां टी20 विश्वकप क्रिकेट में होने वाले अपने तीसरे मुकाबले में मेजबान अमेरिकी टीम के खिलाफ जीत का सिलसिला बरकरार रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक अपने दोनो ही मैचों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने अपने दूसरे मैच में जिस प्रकार पाकिस्तान को हराया उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। अब भारतीय टीम का लक्ष्य जीत की इस लय को बनाये रखना होगा।

भारतीय टीम के गेंदबाजों ने पाक के खिलाफ 119 रनों के लक्ष्य का बचाव कर दिखाया है कि वह किसी भी प्रकार के बल्लेबाजी क्रम को ढ़हा सकते हैं। बल्लेबाजों का हालांकि इस मैच में देखकर खेलना होगा। पिछले मैच में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे। भारतीय टीम अब इस मैच में अमेरिकी टीम पर जीत दर्ज कर सुपर आठ में पहुंचना चाहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान अमेरिकी टीम टीम भले ही अनुभवहीन है पर उसे हल्के में नहीं लिया जा सकता है। उसने पाक को आसनी से हराया था।

नासाउ काउंटी मैदान की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल नहीं रही है पर भारतीय बल्लेबाज पाक के खिलाफी की गलतियों से सबक लेना चाहेंगे। उस मैच में भारतीय टीम ने 30 रन के अंदर अपने अंतिम सात विकेट गंवा दिए थे। अमेरिका के खिलाफ कमजोर रवैया भारत को भारी पड़ सकता है क्योंकि यह टीम पहले पाकिस्तान को भी हरा चुकी है। अमेरिका की टीम में कप्तान मोनंक पटेल सहित भारतीय मूल के कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका भारत की तरफ से खेलने का सपना पूरा नहीं हो पाया था। इनमें सौरभ नेत्रवलकर और हरमीत सिंह भी शामिल हैं जिन्होंने अपनी टीम की तरफ से अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है और ये इस मैच में अपने को साबित करना चाहेंगे।

पिच के व्यवहार ने भले ही टीमों के बीच अंतर को कम कर दिया है पर अमेरिका के लिए भारतीय टीम को हराना संभव नहीं होगा। अमेरिका की टीम दूसरी भारतीय टीम की तरह नजर आती है क्योंकि उसमें भारतीय मूल के आठ खिलाड़ी हैं। इसके अलावा पाकिस्तानी मूल के दो तथा वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और नीदरलैंड का एक खिलाड़ी उसकी टीम का हिस्सा है।

पाकिस्तान पर सुपर ओवर में जीत दर्ज करने के बावजूद अमेरिका के खिलाड़ियों की खास चर्चा नहीं है पर भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन उन्हें क्रिकेट जगत में पहचान दिला सकता है। ऐसे में मोनंक पटेल, हरमीत, नेत्रवलकर, जेसी सिंह और नोशतुश केंजीगे बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगे। इनके सामने रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी हों तो मुकाबला आकर्षक होना तय है। कोहली और रोहित जैसे बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना या बुमराह जैसे गेंदबाज का सामना करने का मौका हमेशा नहीं मिलता है और ऐसे में अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए यह अपनी क्षमताओं को आंकने का अच्छा अवसर होगा।

भारतीय टीम टॉस जीतने पर निश्चित तौर पर पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी। अगर भारत पहले गेंदबाजी करती है तो फिर बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों के सामने अमेरिका के लिए 100 रन बनाना भी कठिन रहेगा। पिछले मैच में शिवम दुबे असफल रहे थे। ऐसे में उनकी जगह यशस्वी जायसवाल को अवसर मिल सकता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद. सिराज

अमेरिका : मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नीतीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रवलकर, शैडली वान शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर।

पीएम मोदी ने नई सरकार में सीसीएस में नहीं किया बदलाव चार पावरफुल मंत्रालयों की कमान अपने भरोसेमंद लोगों को सौंपी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश की नई सरकार और लगातार तीसरी बाद पीएम बनने के बाद नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण बाद पीएम मोदी ने सभी 71 मंत्रियों को उनके मंत्रालयों का जिम्मा सौंप दिया है, लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) मंत्रालयों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चार पावरफुल मंत्रालयों की कमान अब भी पुराने हाथों में ही है। गृह, वित्त, विदेश और रक्षा, ये वो मंत्रालय हैं जो पहले उन्हीं नेताओं के पास है। इससे एक बात तो साफ है कि पीएम मोदी इन सभी मंत्रियों की पिछली परफॉर्मेंस से खुश हैं।

मोदी 3.0 सरकार में भी गृह मंत्रालय अमित शाह को विदेश मंत्रालय एस जयशंकर को वहीं राजनाथ सिंह और निर्मला सीतारमण को भी उनके पिछले मंत्रालयों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कैबिनेट में सीसीएस सबसे अहम समिति है, दरअसल ये समिति राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी फैसले लेने में अहम भूमिका निभाती है। गृह, वित्त, रक्षा और विदेश ये चारों मंत्रालय सीसीएस के तहत आते हैं। पीएम मोदी ने अपनी कैबिनेट कुछ इस तरह से बनाई है कि ये चारों मंत्रालयों पर बीजेपी का कब्जा रहे। इसमें इस बार भी बदलाव न कर ये तो साफ हो गया है कि मोदी सरकार की नीतियां अब भी उतनी ही सख्त हैं। बता दें कि पीएम मोदी ने लोक शिकायत, कार्मिक और पेंशन, अंतरिक्ष विभाग, परमाणु ऊर्जा विकास और सभी महत्वपूर्ण मंत्रालय जो किसी को आवंटित नहीं किए हैं।

मोदी सरकार में बीजेपी के घटक दलों का भी ख्याल रखा गया है। सहयोगी दलों जैसे जेडीयू, लोक जनशक्ति पार्टी, हम पार्टी, टीडीपी समेत तमाम ऐसे दल है, जिनको अहम जिम्मेदारी कैबिनेट में दी गई है। जेडीएस के एचडी कुमारस्वामी को भारी उद्योग और इस्पात मंत्री, तो एलजेपी के चिराग पासवान को खेल मंत्री बनाया गया है। राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) मंत्री, राजीव रंजन सिंह (लल्लन सिंह) को पंचायती राज, मछली, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है।

बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग फिर खुला

बाल्टीमोर (ईएमएस)। बाल्टीमोर बंदरगाह का मुख्य नौवहन मार्ग अपनी पूरी क्षमता के साथ फिर खुल गया है। 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल 26 मार्च को क्षतिग्रस्त हो गया था, जिस कारण बंदरगाह पर समुद्री यातायात कई दिन तक अवरुद्ध रहा था। अधिकारियों ने मार्ग को फिर से खोलने की घोषणा की। पटाप्सको नदी से करीब 50 हजार टन स्टील और कांक्रीट निकालने के लिए व्यापक सफाई अभियान चलाया गया था, जिसके बाद कहीं जाकर यह मार्ग फिर से खुला है।

एक मालवाहक जहाज के अनियंत्रित होकर पुल के एक खंभे से टकराने के बाद उसका एक हिस्सा ढह गया था, जिसके मलबे के कारण यह मार्ग अवरुद्ध हो गया था। इस हादसे में छह लोगों की मौत हुई थी। सभी मृतक लैटिनो आप्रवासी थे, जो पुल पर गड्ढों को भरने के लिए रातभर काम कर रहे थे। देश के अन्य बंदरगाहों की तुलना में बाल्टीमोर बंदरगाह के जरिये अधिक कारों और कृषि उपकरणों का आवागमन होता है। यह बंदरगाह मलबे को हटाये जाने के दौरान कई सप्ताह तक प्रभावी रूप से बंद रहा।

हालांकि चालक दल कई चरणों में मार्ग के कुछ हिस्से को फिर से खोलने में सक्षम रहा, जिससे हाल के हफ्तों में कुछ हद तक वाणिज्यिक यातायात बहाल हो पाया। लगभग दो महीने से मलबे के बीच फंसे मालवाहक जहाज डाली को 20 मई को निकाला गया और वापस बंदरगाह की ओर ले जाया गया।

अमेरिका की स्वास्थ्य व्यवस्था लडख़ड़ाई, दवाओं की भारी कमी से मर रहे मरीज

वॉशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के सबसे अमीर व शक्तिशाली देश की हैल्थ व्यवस्था इतनी बुरी तरह से लडख़ड़ा गई हैं कि दवाओं की भारी कमी से मरीज मर रहे हैं। अमेरिका एक दशक में दवाओं की कमी को लेकर सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहा है। यह कमी मुख्य रूप से इंजेक्टेबल जेनेरिक दवाओं में है, जिससे रोगी देखभाल पर भारी असर पड़ रहा है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेल्थ-सिस्टम फार्मासिस्ट (एएसएचपी) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 की पहली तिमाही में अमेरिका में दवाओं की कमी 10 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। कमी से प्रभावित शीर्ष पांच दवा वर्गों में कैंसर के उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली कीमोथेरेपी दवाएं शामिल हैं, जिनमें से कई के विकल्प नहीं हैं। जानकारी के अनुसार भारत समेत दुनिया के कई कैंसर मरीज इस उम्मीद से अमेरिका इलाज कराने जाते हैं कि वहां उन्हें हर वो सुविधा मिलेगी, जो उनके देश में उपलब्ध नहीं है लेकिन उसी अमेरिका के अस्पताल इन दिनों कैंसर की दवाओं की भारी कमी से जूझ रहे हैं।

अमेरिका जैसे शक्तिशाली और अमीर देश के कैंसर उपचार केंद्रों में एक दर्जन से अधिक जीवन रक्षक दवाओं की कमी होने से वहां के स्वास्थ्य महकमे की व्यवस्था लडख़ड़ा गई है। विशेषज्ञों का कहना है अमेरिका में केवल कैंसर ही नहीं बल्कि अन्य जरूरी दवाओं की कमी भी होने लगी है। एनबीसी के मुताबिक इसका पहला कारण है सार्वजनिक स्वास्थ्य में गहराता संकट, जो इन दिनों बजट और फंड की कमी से जूझ रहा है। यहां हाल के महीनों में दर्जनों जीवन रक्षक दवाओं की कमी देखी गई इनमें सिस्प्लैटिन और कार्बोप्लाटिन भी शामिल हैं। करीब सभी केंद्रों पर इन दोनों आवश्यक दवाओं की कमी हो गई है। अमेरिकन कैंसर सोसायटी (एसीएस) और इसके एडवोकेसी सहयोगी, अमेरिकन कैंसर सोसायटी कैंसर एक्शन नेटवर्क (एसीएस सीएएन) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एमबीए, पीएचडी, कैरन ई. नुडसन ने एक बयान में कहा, कुछ कैंसर दवाओं की कमी पूरे देश में कैंसर रोगियों के लिए एक गंभीर और जानलेवा मुद्दा बन गई है। मैंने उन रोगियों और चिकित्सकों से सुना है जो इन कमियों के प्रभाव को सीधे अनुभव कर रहे हैं।

साउथ कोरिया में घुसे नॉर्थ कोरियाई सैनिक

सियोल(ईएमएस)। साउथ कोरिया ने पड़ोसी देश नॉर्थ कोरिया की सीमा के पास फायरिंग की है। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के करीब 20-30 सैनिकों ने डीमिलिट्लाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था। इसके बाद उन्हें वॉर्निंग देने के लिए साउथ कोरिया की सेना ने फायरिंग की।

रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद नॉर्थ कोरिया के सैनिक वापस अपने देश लौट गए। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने बताया कि नॉर्थ कोरिया के सैनिकों के पास कंस्ट्रक्शन टूल थे। वे वहीं कुछ के पास हथियार भी मौजूद थे। वे साउथ कोरिया की सीमा के 50 मीटर अंदर तक आ गए थे।

साउथ कोरिया की मिलिट्री ने जांच के बाद संभावना जताई है कि नॉर्थ कोरिया के सैनिक अनजाने में सीमा पार कर गए थे। दरअसल, दोनों देशों की सीमा को बांटने वाली लाइन पर साफ तौर पर साइन नहीं लगा है, जिसकी वजह से धोखा होने की आशंका रहती है।

चंद्रबाबू नायडू विधायक दल के नेता चुने गए

आंध्र प्रदेश गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया

अमरावती(ईएमएस)। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी, जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायडू और कल्याण राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

सूत्रों के मुताबिक, नायडू 12 जून को विजयवाड़ा में गन्नावरम एयरपोर्ट के पास केसरपल्ली आईटी पार्क में सुबह 11.27 बजे शपथ लेंगे। सीएम के तौर पर यह उनका चौथा कार्यकाल होगा। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। चर्चा है कि नायडू के साथ पवन कल्याण डिप्टी सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। इसके अलावा टीडीपी महासचिव और नायडू के बेटे नारा लोकेश और जनसेना नेता एन मनोहर के भी शपथ लेने की संभावना है। नायडू के मंत्रिमंडल में ञ्ञष्टक्क को 20, जनसेना को तीन और भाजपा को दो मंत्री पद मिल सकता है।

भारत में रेपो रेट छोड़िए....पड़ोसी मुल्कों की रेपो रेट देखकर आंखें फटी रह जाएंगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में भी रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया और पिछले 16 माह से 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इस कारण होम, ऑटो सहित सभी तरह के खुदरा लोन अभी महंगे बने हुए हैं। लोन की ब्याज दरें तय करने में रेपो रेट का सबसे बड़ा योगदान होता है, क्योंकि इसी आधार पर सभी बैंक अपने कर्ज की ब्याज दर तय करते हैं। कोरोनाकाल खत्म होने के बाद आरबीआई ने लगातार 6 बार ब्याज दरें बढ़ाते हुए रेपो रेट 2.50 फीसदी महंगा कर दिया था। हालांकि, पड़ोसी देश पाकिस्तान की हालत देखकर यह रेपो रेट कुछ नहीं है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अगस्त, 2023 के बाद से अपनी ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। अगस्त में पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने 0.10 फीसदी ब्याज घटाकर 3.45 फीसदी कर दिया था। इसके बाद से अभी तक यही ब्याज दर चल रही है। वहीं बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक की बुनियादी ब्याज दर अभी 8.5 फीसदी है। बांग्लादेश बैंक ने पिछले महीने इसमें 0.50 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इसके अलावा सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका ने भी 27 मई को हुई बैठक में रेपो रेट 9.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके अलावा नेपाल में भी केंद्रीय ब्याज दर 7 फीसदी है, जो 2024 की शुरुआत में 6.68 फीसदी थी। नेपाल में सबसे ज्यादा ब्याज दर जुलाई, 2022 में 8.5 फीसदी और सबसे कम मार्च, 2020 में 5 फीसदी थी।

वहीं पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने कई साल बाद अपने रेपो रेट में कटौती की है और महंगाई काबू में आने के बाद रेपो रेट 1.5 फीसदी घटा दिया है। बावजूद इसके पाकिस्तान का मौजूदा रेपो रेट 20.5 फीसदी है। अंदाजा लगा सकते हैं कि पाकिस्तान के बैंक होम और ऑटो लोन के लिए खुदरा ग्राहकों से कितना ब्याज वसूल रहे है।

चीन में सोने की मांग घटी कम हुई पीली धातु की कीमत

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्याज दर कटौती में देरी, अमरीका में उम्मीद से अधिक नौकरियां सृजित होने और चीन में सोने की मांग घटने से पिछले तीन दिन में अंतरराष्ट्रीय बाजार के साथ भारत में सोने की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। सोना अपने ऑल-टाइम हाई से 6 प्रतिशत यानी 3300 रुपए से भी अधिक टूट गया है। इतना ही नहीं विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का केंद्रीय बैंक अगर जून में भी सोने की खरीदारी नहीं करता है, तब इसकी कीमतें और गिर सकती हैं।

पिछले तीन दिन में एमसीएक्स और घरेलू सर्राफा बाजारों में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 2200 रुपए से भी अधिक घटी है। ग्लोबल मार्केट में 22 मई को स्पॉट गोल्ड 2,449.89 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था, जो अब 2300 डॉलर के नीचे है। इसतरह एमसीएक्स पर भाव 74,442 रुपए की रिकॉर्ड ऊंचाई पर था जो अब 71,000 रुपए के नीचे है। हालांकि, मई में ग्लोबल स्तर पर पहली बार गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा है। एम्फी के मुताबिक, मई में भारत में भी गोल्ड ईटीएफ में निवेश 4 माह के शीर्ष पर पहुंच गया। देश के कुल 17 गोल्ड ईटीएफ में मई के दौरान 827.43 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हुआ।

चीन के केंद्रीय बैंक की ओर से सोने की खरीदारी पर जो ब्रेक लगा है उसका असर कीमतों पर दिख रहा है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मई में चीन के गोल्ड रिजर्व में कोई बदलाव नहीं हुआ। जबकि इससे पहले लगातार 18 महीने तक चीन के गोल्ड रिजर्व में इजाफा हुआ था। अप्रैल में चीन का गोल्ड रिजर्व 2 टन बढकर 2,264 टन पर पहुंच गया। हालांकि, चीन के गोल्ड रिजर्व में यह 18 महीने की सबसे कम बढ़ोतरी थी। अक्टूबर 2022 की तुलना में यह तकरीबन 319 टन यानी 16.5 प्रतिशत ज्यादा है। चीन के केंद्रीय बैंक ने वर्ष 2023 के दौरान अपने गोल्ड रिजर्व में 225 टन का इजाफा किया, जिससे गोल्ड की कीमतें आसमान पर पहुंच गईं।

बांड से 30 हजार करोड़ जुटाएगी नाबार्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष 2025 में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) बॉन्ड के माध्यम से 30,000 करोड़ रुपये तक जुटाने पर ?विचार कर रही है ताकि ऋण देने के कार्यों में मदद की जा सके। यह जानकारी एक रेटिंग एजेंसी ने दी है। बाजार के माध्यम से जुटाई गई पूंजी में बॉन्ड और मुद्रा बाजार से जुड़ी योजनाएं आदि शामिल हैं और मार्च 2024 के अंत में नाबार्ड की कुल उधारी में इनकी लगभग 51.5 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। क्रिसिल के आकलन के अनुसार, सरकारी स्वामित्व वाले विकास वित्तीय संस्थान (डीएफआई) की कुल उधारी मार्च 2024 तक 7,89,191 करोड़ रुपये थी। क्रिसिल ने प्रस्तावित बॉन्ड पेशकश को 'एएए' की रेटिंग दी है जिसे भारत सरकार का समर्थन है। वित्त वर्ष 2024 के बैलेंसशीट के मुताबिक बकाया बॉन्ड और डिबेंचर, मार्च 2024 में 2,86,150 करोड़ रुपये था जो एक साल पहले के 2,46,677 करोड़ रुपये से अधिक था। इस प्रकार डिबेंचर व बॉन्ड के माध्यम से उधारी वित्त वर्ष 2024 में 39,473 करोड़ रुपये बढ़ी।

सोना 71,200, चांदी लगभग 88,800 हजार

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा कारोबार में मंगलवार को सुस्ती देखने को मिल रही है। मंगलवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। शुरुआत में सोने के वायदा भाव 71,200 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 88,800 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।

वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में दोनों के वायदा भाव में नरमी देखी जाने लगी। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 187 रुपये की गिरावट के साथ 71,251 रुपये के भाव पर खुला।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रेक्ट 922 रुपये की गिरावट के साथ 89,100 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,248 रुपये की गिरावट के साथ 88,774 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस वै?श्विक में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। लेकिन बाद में इनके भाव गिर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,329.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,327 डॉलर प्रति औंस था।

इस समय यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,320.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.95 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 29.87 डॉलर था। इस समय यह 0.52 डॉलर की गिरावट के साथ 29.35 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अगर इजरायली सेना आगे बढ़े तो बंधकों को मार दो गोली : हमास

-संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध विराम के अमेरिका के प्रस्ताव को दी मंजूरी

गाजा,(ईएमएस)। गाजा के रफाह में इजराइली हमलों के बीच हमास के नेताओं ने अपने लोगों से कहा है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वह बंधकों को मार दें। इस आदेश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में बंधकों को रखने वाले हमास ने अपने सैनिकों को आदेश दिया गया है कि अगर उन्हें लगता है कि इजरायली सेना आगे बढ़ रही है, तो वे बंधकों को गोली मार दें। हाल ही में इजरायली रक्षा बलों ने गाजा के नुसेरात से चार बंधकों को बचा लिया था। इजरायली अधिकारियों ने हमास के इस दावे को खारिज कर दिया है कि तीन बंधकों की मौत इजरायली हवाई हमलों में हुई थी। उनका कहना है कि इन मौतों के जिम्मेदार हमास के आतंकी ही हैं।

बता दें कि सात अक्टूबर को जब हमास के आतंकवादियों ने इजरायल पर हमले के बाद 200 से ज्यादा लोगों को बंधक बना लिया था, तब से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार इन लोगों का पता लगाने और उन्हें बचाने का प्रयास कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी और इजरायली खुफिया और सैन्य विश्लेषकों का एक सेल बंधकों की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ड्रोन और उपग्रहों का इस्तेमाल कर रहा है। इज़राइल अब तक सात बंधकों को बचाने में कामयाब रहा है लेकिन, कई लोग या तो संघर्ष के दौरान या अपहरणकर्ताओं के हाथों मारे गए हैं।

इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में युद्ध विराम योजना का समर्थन करने वाले अमेरिका के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा यह मसौदा युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के प्रस्ताव की अपील करता है। इसमें शामिल सभी पक्षों से बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के इसे पूरी तरह लागू करने का आग्रह किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि इज़राइल ने युद्धविराम योजना पर सहमति जताई है और हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया गया है। हमास ने जवाब में कहा कि वह सुरक्षा परिषद के वोट का स्वागत करता है। इसके बावजूद, शांति का मार्ग चुनौतियों से भरा हुआ है। हमास के अधिकारियों ने मांग की है कि किसी भी युद्धविराम समझौते में संघर्ष के स्थायी अंत की गारंटी होनी चाहिए।

युद्धविराम का भविष्य अनिश्चित है। प्रस्तावित योजना में छह सप्ताह का युद्धविराम शामिल है, जिसके दौरान इज़राइल गाजा के आबादी वाले केंद्रों से हट जाएगा, और हमास बंधकों को रिहा कर देगा। बातचीत का उद्देश्य युद्धविराम को आगे बढ़ाना और दुश्मनी का स्थायी समाधान खोजना है। मतदान के बाद, इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन नफ्ताली ने दोहराया कि संघर्ष तभी समाप्त होगा जब इजरायल के लक्ष्य पूरे हो जाएंगे, जिसमें बंधकों की पूरी तरह रिहाई और हमास का खात्मा शामिल है। उन्होंने कहा कि हमास कूटनीति के जरिए बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि हमारे बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों का भी इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीनी राजदूत रियाद मंसूर ने परिषद के फैसले पर आशा व्यक्त की है, जिसमें युद्ध विराम को लागू करने का दायित्व इजरायल पर डाला है। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने इस प्रस्ताव को गाजा में फिलिस्तीनियों के खिलाफ नरसंहार के युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है।

कनाडा ने तिब्बत को लेकर ड्रैगन की दुखती रग को छेड़ा

टोरंटो (ईएमएस)। खालिस्तान के मामले में भारत से नाराजगी झेल रहे कनाडा ने अब चीन को उकसा दिया है। कनाडा की संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कॉमंस में एक प्रस्ताव पारित हुआ है, जिसमें कहा गया है कि तिब्बत को खुद तय करने का अधिकार है कि वह किसके साथ रहना चाहता है। तिब्बत पर 7 दशकों से चीन का अवैध कब्जा है। वह चाइना पॉलिसी के तहत अब अपने ही देश का हिस्सा मानता है। हालांकि तिब्बतियों का एक बड़ा समूह निर्वासित है और हमेशा चीन के खिलाफ आंदोलन करता रहता है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा सहित हजारों लोग भारत में भी हैं, जो हमेशा चीन के खिलाफ प्रदर्शन करते हैं।

कनाडा की संसद में सांसद एलेक्सिस ब्रुनेले-डयूसेपे ने प्रस्ताव पेश किया था, जिसे मंजूर कर लिया गया। सदन में मौजूद सभी सांसदों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। हालांकि जिस दौरान यह प्रस्ताव लाया गया, उस वक्त सदन में पीएम जस्टिन टूडो नहीं थे। एक अन्य सांसद जूली विग्नोला ने लिखा, आज इस प्रस्ताव को एक साल की बहस के बाद मंजूर कर लिया गया। वहीं कनाडा तिब्बत कमेटी ने लिखा कि हमें खुशी है कि कनाडा की संसद ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें कहा गया है कि तिब्बत को अपने बारे में खुद फैसला लेने का अधिकार है।

सबसे अहम बात यह है कि इस प्रस्ताव में तिब्बत के लोगों को एक अलग मुल्क के तौर पर माना गया है और उन्हें अपने बारे में फैसले का अधिकार दिया गया है। कनाडा की संसद में पास प्रस्ताव में कहा गया, तिब्बतियों को अधिकार है कि वे अपनी आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक नीतियों को चुन सकें। इसमें किसी बाहरी ताकत को दखल देने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए।

धरती पर मौजूद 73 हजार तरह के पेड़

-पेड़ों की 9200 प्रजातियां अभी खोजा जाना है शेष

रोम (ईएमएस)। पृथ्वी पर पेड़ों की 73,000 प्रजातियां मौजूद हो सकती हैं जिसमें 9,200 ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जिन्हें अभी खोजा जाना बाकी है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इन अनदेखी प्रजातियों में से ज्यादातर दुर्लभ और बहुत कम संख्या में हैं। इनके मानव विकास से खतरे में होने की संभावना है। दक्षिण अमेरिका में दुनिया की लगभग 43 प्रतिशत पेड़ प्रजातियां हैं। दुनिया की सबसे दुर्लभ पेड़ प्रजातियां भी यहां पाई जाती हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि महाद्वीप को वैश्विक उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वनों के साथ-साथ पेड़ों के संरक्षण प्रयासों का केंद्र होना चाहिए क्योंकि ये जंगल कई दुर्लभ और अनदेखी प्रजातियों का घर हैं। यह अध्ययन तीन साल की एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना का नतीजा है। इसमें लगभग 150 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया और 64,000 प्रजातियों से संबंधित लगभग 4 करोड़ पेड़ों की पहचान की गई। बोलोग्ना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अध्ययन के प्रमुख लेखक रॉबर्टो कैज़ोला गट्टी ने कहा पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता और कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए पेड़ों के विकास और विविधता की व्यापक जानकारी होना बेहद जरूरी है। यह अध्ययन ग्लोबल फॉरेस्ट बायोडायवर्सिटी इनिशिएटिव के तहत किया गया है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सुपर कम्प्यूटर्स का इस्तेमाल करके जटिल सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण और गणना के पूरे होने के बाद शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया कि हमारे ग्रह पर करीब 73,300 पेड़ प्रजातियां हैं। इसमें 14 फीसदी प्रजातियां अभी भी अज्ञात हैं। बता दें कि मानव आबादी और महासागर के बाद जो धरती बचती है उसके एक बड़े हिस्से पर जंगल मौजूद हैं। दुनिया में इंसानों की गिनती तो की जा सकती है लेकिन पेड़ों की गिनती करना लगभग असंभव है।

अंतरिक्ष में श्वसन तंत्र को ध्वस्त करने वाले बैक्टीरिया ने सुनीता विलियम्स की बढ़ाई मुश्किलें

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। कई बार अंतरिक्ष की यात्रा कर चुकी भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स अपने साथियों के साथ एक बार फिर अंतरिक्ष की यात्रा पर हैं। खबर है कि इंटरनेशल स्पेस सेंटर (आईएसएस) में पहुंचने के बाद उन्हें और उनके सहयोगियों की मुलाकात नई मुसीबत से हो गई है। आईएसएस में एक स्पेसबग पाया गया है जो कि अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खतरे की घंटी हो सकता है। बता दें इससे पहले सुनीता विलियम्स और उनके साथियों ने इस बार जबसे अंतरिक्ष यात्रा शुरू की है, कई बार उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दो बार उड़ान से ठीक पहले यात्रा को रद्द कर कर दिया गया था।

वैज्ञानिकों के मुताबिक उन्हें एक मल्टी ड्रग रजिस्टैंट बैक्टीरिया मिला है जिसका नाम इंटरो बैक्टर बुगाडेंसिस है। आईएसएस के वातावरण में रहकर ही यह बैक्टीरिया विकसित हुआ है और ज्यादा शक्तिशाली हो गया है। इतना ताकतवर होने की वजह से इसे सुपरबग भी कहा जाता है। यह बैक्टीरिया स्वसन तंत्र के लिए घातक हो सकता है। वैसे तो ये बैक्टिरिया धत्ती पर ही पाए जाते हैं लेकिन जब कोई व्यक्ति आईएसएस जाता है तो उनके साथ छिपकर ये वहां तक पहुंच जाते हैं। इस बार सुनीता विलियम्स के साथ उनके साथी अंतरिक्षयात्री बैरी इयुजीन बुच विलमोर भी पहुंचे हैं। 6 जून को उन्होंने नए बोइंग स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से उड़ान भरी थी। उनको आईएसएस गए एक सप्ताह का वक्त बीतने वाला है और वे जल्द ही वापस भी लौट सकती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि आईएसएस में किसी का जीवन आम नहीं होता है। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी पृथ्वी के मुकाबले कम हो जाती है। ऐसे में आईएसएस में मौजूद स्पेसबग एक बड़ी चुनौती बन जाते हैं। ऐसे में सूक्ष्मजीवों का अध्ययन और उनके प्रभाव की जानकारी होनी जरूरी है। नासा का कहना है कि मानव निर्मित बंद वातावरण में माइक्रोग्रैविटी, रेडिएशन और ज्यादा कार्बनडाइ ऑक्साइड की मात्रता एक एक्सट्रीम वातावरण बना देता है जिसमें सूक्ष्मजीव म्यूटेट होने लगते हैं। वहीं वैज्ञानिक हैरान भी हैं कि इतने चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी सूक्ष्मजीव कैसे पनप रहे हैं।

आईएसएस में लंबे समय से सात क्रू मेंबर रह रहे हैं। आईएसएस में रहने वाले लोगों को अंतरिक्ष में तैरने वाले मलबे की चिंता तो रहती ही है लेकिन अब उन्हें बैक्टीरिया की चिंता ज्यादा सताने लगी है। हाल ही में नासा ने सुपरबग के बारे में कहा था, ई बुगांडेंसिस बैक्टिरिया को आईएसएस से अलग कर दिया गया था। इसके 13 प्रतिरूप पाए गए थे। अध्ययन में पाया गया था कि तनाव की वजह से आईएसएस में ये बैक्टीरिया म्यूटेट कर गए और जेनेटिकली और फंक्शनली अलग हो गए। ऐसे में अब ये बैक्टीरिया धरती वाले बैक्टीरिया से एकदम अलग हैं। बता दें कि स्पेसबग को लेकर नासा की जेट प्रोपल्सन लैबोरेटरी कैलिफोर्निया की अध्यक्ष डॉ. कस्तूरी वेंकटेश्वर ने कई बातें बताई हैं। वह नासा में जाने से पहले चेन्नई की अन्नामलाई वयूनिवर्स्टी में मरीन माइक्रोबायोलॉजी की पढ़ाई कर रही थीं। 2023 में उन्होंने एक और मल्टी ड्रग रजिस्टैंट बग की खोज की थी जिसका नाम कालामेला पियरसनोनी था जो कि उनके आदर्शन रहे पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर आधारित था।

उपचुनाव में जीत के बाद भाजपा के पांच विधायकों ने ली शपथ

अर्जुन मोढवाडिया ने पोरबंदर से भारी बढ़त पर जीत दर्ज की, मानावदर में लदानी २८ हजार से ज्यादा वोटों से जीते

अहमदाबाद, ११ जून।

गुजरात में २५ लोकसभा सीट के साथ ही गुजरात विधानसभा की ५ सीटों पर भी उपचुनाव आयोजित हुए थे। जिसमें बीजेपी ने सभी ५ विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। विधान सभा के माननीय सभापति श्री शंकर भाई चौधरी ने आज गुजरात विधान सभा की विभिन्न सीटों पर उपचुनावों में विजयी हुए जन प्रतिनिधियों को विधायक पद की शपथ दिलाई।

इन पांचों विजयी उम्मीदवारों को आज विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने विधायक पद की शपथ दिलायी। इसके साथ ही अब विधानसभा में सीटों की संख्या १५६ से बढ़कर ऐतिहासिक १६१ हो गई है। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सभी नियुक्तविधायकों को बधाई दी। इनमें पोरबंदर से अर्जुन मोढवाडिया, वीजापूर से सी जे चावडा, मानावदर से अरविंद लाडानी, खंभात से चिराग पटेल और वाघोडिया से धर्मेंद्र सिंह वाघेला चुनाव जीते हैं। ५ में से चार विधायक कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जुड़े थे और उप चुनाव लड़े थे। धर्मेंद्र सिंह वाघेला निर्दलीय चुनाव जीते थे फिर इस्तीफा दिया और फिर भाजपा से जुड़कर चुनाव जीते हैं। विधानसभा में भाजपा का संख्याबल अब १६१ पहुंच गया है।

पोरबंदर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन मोढवाडिया ने १,१७,००० वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। कांग्रेस प्रत्याशी राजू ओडेदरा को १६,०९६ वोटों से करारी हार का सामना करना पड़ा है। पोरबंदर कांग्रेस के दिग्गज नेता अर्जुन मोढवाडिया कुछ समय पहले ही बीजेपी में शामिल हुए। उन्हें बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित किया क्योंकि पोरबंदर सीट पर मेर, लोहाना और ब्राह्मण जाति ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। पिछले सात चुनावों में से चार बार यहां बीजेपी के बाबू बोखिरिया और तीन बार कांग्रेस से अर्जुन मोढवाडिया चुने गए हैं।

मनावादर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने २८,८६५ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की है. बीजेपी उम्मीदवार अरविंद लदानी ७५,१५६ वोटों से जीते। कांग्रेस उम्मीदवार हरिभाई कंसागरा को ४६,२९२ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीट को दलबदल के नाम से जाना जाता है क्योंकि यहां से चुने गए प्रतिनिधि विधायक बनने के बाद दलबदल लेते हैं।

वाघोडिया विधानसभा सीट पर बीजेपी ने ८२१०८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। कांग्रेस उम्मीदवार कानू गोहिल ४५,३३८ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। इस सीट पर क्षत्रियों बनाम क्षत्रियों के बीच वास्तविक लड़ाई हुई। जिसमें धर्मेंद्र सिंह वाघेला ने जीत हासिल की।

बीजापुर विधानसभा सीट पर बीजेपी ने ५६२२८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की है। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी सी. जे चावड़ा १००६४१ वोटों से जीते। ऐसे में कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश पटेल को ४४४१३ वोटों से हार का सामना करना पड़ा। ठाकोर और पटेल जाति के प्रभुत्व वाली बीजापुर विधानसभा सीट पर मुस्लिम मतदाता कम हैं। कांग्रेस का गढ़ रही सीट पर पिछले नौ चुनावों में पांच बार कांग्रेस और चार बार बीजेपी ने जीत हासिल की है। यहां २०२२ के चुनाव में ७०५३ वोटों से कांग्रेस से जीतने के बाद चावड़ा ने इस्तीफा दे दिया और बीजेपी में शामिल हो गए।

बीजेपी ने ३८,३२८ वोटों की बढ़त के साथ जीत हासिल की। बीजेपी उम्मीदवार चिराग पटेल ८८,४५७ वोटों से जीत गए। कांग्रेस प्रत्याशी महेंद्र परमार ५०१२९ वोटों से हार गए। पटेल बहुल खंभात सीट पर ओबीसी, क्षत्रिय, दलित और मुस्लिम मतदाता निर्णायक हैं। मध्य गुजरात में भले ही कांग्रेस का दबदबा था लेकिन १९९५ से २०१७ तक यह सीट बीजेपी के हाथ में रही। १९९५ से भाजपा का गढ़ रही यह सीट २०२२ में कांग्रेस के चिराग पटेल ने छीन ली, जो फिर से भाजपा के पास चली गई है।

खनन विभाग के सहायक निदेशक की ओर से दो लाख की रिश्वत लेता बिचौलिया गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) एन्टी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने शहर की सीमा स्थित एक ऑफीस से खनन विभाग के सहायक निदेशक की ओर से रु. 2 लाख की रिश्वत लेते हुए उसके बिचौलिये को गिरफ्तार कर लिया। रेत खनन में किसी प्रकार की बाधा ना डालने के बदले में सहायक निदेशक ने दो लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी लेकिन यह मामला एसीबी तक पहुंच गया और उसने कार्यवाही करते हुए बिचौलिये को दबोच लिया, जबकि सहायक निदेश को फरार घोषित किया है। जानकारी के मुताबिक फ्लाइंग स्क्वॉड के सहायक निदेशक नरेश जानी ने सूरत के भाठा क्षेत्र में रेत खनन करने वाले परमिटधारक को उसके काम में किसी प्रकार की बाधा नहीं डालने के बदले में रु. 2 लाख की रिश्वत मांगी थी लेकिन परमिटधारक सहायक निदेशक को रिश्वत नहीं देना चाहता था। इसलिए उसने एसीबी से इसकी शिकायत कर दी। जिसके आधार पर एसीबी ने परमिटधारक से मिलकर जाल बिछाया और रिश्वत की रकम लेने के लिए शहर के सीमा स्थित महादेव कार्टिंग नामक ऑफीस में सहायक निदेशक नरेश जानी को बुलाया। हांलाकि नरेश जानी के बजाए उसका बिचौलिया कपिल प्रजापति नामक शख्स रिश्वत की रकम लेने पहुंचा गया। जहां शिकायतकर्ता ने जैसे ही रिश्वत की रकम दी एसीबी ने तुरंत कपिल प्रजापति को दबोच लिया। इस घटना की खबर लगते ही खनन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। एसीबी ने कपिल प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फरार नरेश जानी को पकड़ने की दिशा में कवायद तेज कर दी है।

वडोदरा में तेज रफ्तार कार ने दंपती को मारी टक्कर

अहमदाबाद, ११ जून।

वडोदरा शहर के समा इलाके के वाल्मिकीनगर निवासी दंपती को रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। पति को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दीवार से टकराकर कार पलट गई और चालक बाहर निकलकर भाग गया।

वडोदरा शहर के समा इलाके के वाल्मिकीनगर निवासी दंपती को रविवार देर रात रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में पत्नी की मौत हो गई। पति को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दीवार से टकराकर कार पलट गई और चालक बाहर निकलकर भाग गया। समा इलाके के वाल्मिकीनगर निवासी व निर्माण व्यवसाय से जुड़ा विपुल कटुडिया, पत्नी शिल्पा रविवार रात करीब ११ बजे अपने घर के पास टहलने निकले थे। वे समा कैनाल रोड पर एक पार्टी प्लॉट के सामने टहल रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही कार ने दंपती को टक्कर मार दी। दंपती हवा में उछलकर जमीन पर गिर गया।

दुर्घटना में दंपती को चोटें आने पर १०८ एंबुलेंस से सयाजी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने शिल्पा को मृत घोषित कर दिया। विपुल को पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण उसे आईसीयू में भर्ती किया है। हादसा इतना गंभीर था कि कार दंपती को टक्कर मारने के बाद एक निजी अस्पताल की दीवार तोड़कर पलट गई। घटना के बारे में पता लगने पर विपुल का बहनोई बिपिन प्रजापति और मित्र तुरंत मौके पर पहुंचे। इसी बीच, कार का चालक ध्रुव कनौजिया कार से बाहर निकलकर भाग गया।

हालांकि, पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना को अपने मोबाइल फोन में कैद कर ली। बिपिन प्रजापति ने समा थाने में मामला दर्ज करवाया। समा पुलिस ने समा-सावली रोड पर एक खेत से कार चालक ध्रुव कनौजिया को पकड़ लिया।

दक्षिण गुजरात के वलसाड में बारिश की शुरुआत

अहमदाबाद, ११ जून।

किसानों के लिए अच्छी खबर है। गुजरात में इस बार मानसून ४ दिन पहले ही आ गया है। प्रदेश में मानसून की आधिकारिक शुरुआत हो चुकी है। मौसम विभाग के मुताबिक आज पूरे गुजरात में व्यापक बारिश हो सकती है। १२ से १७ जून तक अहमदाबाद गांधीनगर वडोदरा सूरत वलसाड नवसारी अमरेली भावनगर और गिर सोमनाथ सहित जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

गुजरात में मानसून ने दस्तक दे दी है। बता दें कि लोगों के लिए ये खुशखबरी समय से पहले आई है, क्योंकि गुजरात में मानसून ४ दिन पहले ही आ गया है। बारिश होने से किसान भी खुश दिखाई दे रहे हैं। किसानों के लिए अच्छी खबर है। गुजरात में इस बार मानसून ४ दिन पहले ही आ गया है। प्रदेश में मानसून की आधिकारिक शुरुआत हो चुकी है। गुजरात में आज से मानसून की शुरुआत हो गई है। मेघराजा दक्षिण गुजरात के वलसाड में प्रवेश कर चुके हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आज पूरे गुजरात में व्यापक बारिश हो सकती है। १२ से १७ जून तक अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, वलसाड, नवसारी, अमरेली, भावनगर और गिर सोमनाथ सहित जिलों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

अहमदाबाद, मेहसाणा, गांधीनगर, महिसागर, अरावली, दाहोद, पंचमहल, वलसाड, नवसारी, डांग, तापी,आनंद, साबरकांठा, खेड़ा, बोटा द, अमरेली, राजकोट, सुरेंद्र गढ़, भावनगर, छोटा उदेपुर, वडोदरा, नर्मदा, सूरत में आज आंधी तूफान। भरूच में भी हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। १२ जून को गिर सोमनाथ, अमरेली, भावनगर, महिसागर,पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, छोटा उदेपुर, भरूच, नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी, डांग और वलसाड में बारिश होने की संभावना है।

१३जून को साबरकांठा, अरावली, गांधीनगर, अहमदाबाद, महिसागर, खेड़ा, आनंद, वडोदरा, पंचमहल, दाहोद, भरूच, छोटा उदेपुर, नर्मदा, सूरत, तापी, डांग, नवसारी, वलसाड, भावनगर, अमरेली और गिर सोमनाथ में बारिश होने की संभावना है। सूरत, नवसारी, डांग, वलसाड, अम रेली, भावनगर, गिर सोमनाथ में १४ और १५ जून को बारिश हो सकती है। नवसारी,वलसाड,गिरसोमनाथ, अम रेली और भावनगर में १६ और १७ जून को बारिश होने की संभावना है।

महिसागर जिले के संतरामपुर में ४० मिमी, कडाना में २० मिमी, पंचमहल के मोरवा (हदफ) में २७ मिमी, गांधीनगर के कलोल में २० मिमी, दाहोद के संजेली में १५ मिमी, मेहसाणा के काडी में १२ मिमी, गांधीनगर में ११ मिमी और वलसाड में १० मिमी बारिश हुई। वहीं, जेतपुर में ५ मिमी, राजुला में ५ मिमी, खेरगाम में ५ मिमी, भचाऊ में ५ मिमी, अहमदाबाद शहर में ५ मिमी, छोटा उदेपुर में ५ मिमी, धनपुर में ५ मिमी, जाफराबाद में ४ मिमी, ४ मिमी सावर कुंडला, रणपुर में ४ मिमी, सिंहवाड में ४ मिमी, पालिताना में ३ मिमी, अमरेली में २ मिमी, बाबरा में २ मिमी, धरमपुर में २ मिमी, विजयनगर में २ मिमी, प्रांतिज में २ मिमी, झालोद में १ मिमी बारिश दर्ज की गई।

पाटिल बने मंत्री, प्रदेश भाजपा को नए अध्यक्ष की तलाश, गुजरात बीजेपी में बड़े बदलाव की तैयारी

गांधीनगर, ११ जून।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने के बाद अब प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरु हो गई है। पाटिल की अगुवाई में गुजरात भाजपा विधानसभा की १८२ में से १६१ सीटों तक पहुंची है। उधर राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं हाल ही विधानसभा उपचुनाव में जीतने वाले अर्जुन मोढवाडिया को मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल को केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने के बाद अब प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरु हो गई है। पाटिल की अगुवाई में गुजरात भाजपा, विधानसभा की १८२ में से १६१ सीटों तक पहुंची है। उधर राज्यमंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं, हाल ही विधानसभा उपचुनाव में जीतने वाले अर्जुन मोढवाडिया व सी जे चावडा को मंत्री बनाने की प्रबल संभावना है।

लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई सरकार का गठन हो गया लेकिन अब गुजरात सरकार व संगठन में भारी बदलाव की अटकलें लगाई जा रही है। दक्षिण गुजरात की नवसारी सीट से पाटिल चौथी बार सांसद बने हैं तथा यह चुनाव उन्होंने राज्य में सबसे अधिक ७ लाख ७३ हजार मतों के अंतर से चुनाव जीता है। २०२२ के विधानसभा चुनाव में पाटिल ने अध्यक्ष रहते विधानसभा की १८२ में से १५६ सीट पर जीत दिलाई थी।

हाल ही आम चुनाव के साथ गुजरात की ५ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सभी ५ सीटों पर भाजपा की जीत हुई, इसके बाद अब राज्य में भाजपा विधायकों की संख्या रिकार्ड १६१ पहुंची है। लोगों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पाटिल जैसे कद्दावर नेता को कैबिनेट मंत्री के रूप में रिटर्न गिफ्ट दी है। उनके केंद्र में मंत्री बनने के बाद अब गुजरात भाजपा अध्यक्ष पद के लिए नये नेता की तलाश शुरु हो गई है।

प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी यज्ञेश दवे ने बताया कि राज्य भाजपा के प्रमुख को कैबिनेट मंत्री बनाया जाना गौरव की बात है और अब प्रदेश संगठन में नये अध्यक्ष के साथ बदलाव की तैयारियां शुरू हो गई है। अध्यक्ष का चुनाव केंद्रीय आलाकमान को करना है, राज्य में भाजपा को हाल कोई चुनौती नहीं है।

रेसिडेंट डॉक्टर ने छात्रा-वास में बुलाई थी कॉलगर्ल

सूरत, ११ जून।

सूरत महानगर पालिका संचालित स्मीमेर मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में रेसिडेंट डॉक्टर के थाई कॉलगर्ल बुलाने पर हंमामा मच गया। जब यह कॉलगर्ल पहुंची तो किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई इस पर लड़की चीखते-चिल्लाते बाहर निकली तो चौकीदार व अन्य छात्रों को इसका पता चल गया। स्मीमेर अस्पताल परिसर में ही कॉलेज व छात्रावास है रेसिडेंट डॉक्टर ने थाई कॉलगर्ल को कमरे में बुलाया था।

सूरत महानगर पालिका संचालित स्मीमेर मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में रेसिडेंट डॉक्टर के थाई कॉलगर्ल बुलाने पर हंमामा मच गया। जब यह कॉलगर्ल पहुंची तो किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई इस पर लड़की चीखते-चिल्लाते बाहर निकली तो चौकीदार व अन्य छात्रों को इसका पता चल गया।

स्मीमेर अस्पताल परिसर में ही कॉलेज व छात्रावास है, गत शनिवार रात्रि एक रेसिडेंट डॉक्टर ने थाई कॉलगर्ल को अपने कमरे में बुलाया था। किसी बात को लेकर उनमें कहासुनी हुई तो डॉक्टर ने उसे चांटा मार दिया इसके बाद वह कॉलगर्ल चीखते-चिल्लाते छात्रावास से बाहर निकली। वहां मौजूद चौकीदार व सिनियर डॉक्टरों को इस घटना का पता चला यह बात कॉलेज प्रशासन के पास पहुंची। कॉलेज के डीन डॉ दीपक होवले ने कहा कि इस मामले की जांच के निर्देश दिये हैं रिपोर्ट मिलने के बाद ही कोई कार्यवाही होगी।

विनीत अभिषेक ने पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

अहमदाबाद (ईएमएस) सिविल सेवा, 2010 बैच के भारतीय रेल यातायात सेवा (ध्ंऊए) के वरिष्ठ अधिकारी विनीत अभिषेक ने 10 जून, 2024 को पश्चिम रेलवे के नए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (एर्ड्ंध) का कार्यभार ग्रहण किया है। प्रबंधन में स्नातक विनीत को शहरी नियोजन और परिवहन में 19 वर्षों से अधिक का अनुभव प्राप्त है और सार्वजनिक, कॉर्पोरेट और गैर-लाभकारी क्षेत्रों में काम किया है। इससे पूर्व पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यक प्रबंधक के रूप में आपने टिकट जाँच और गैर-किराया राजस्व के क्षेत्र में कई पहलों की शुरुआत की, जिसके कारण मंडल ने अपने इतिहास में पहली बार वर्ष 2023-2024 में 4000 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार कर लिया। विनीत ने वर्ष 2019-2020 और 2021-2023 के दौरान मैसाचुसेट्स इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी (श्ध्ऊ), यूएसए में उच्च अध्ययन और शोध कार्य किया, जहां हार्वर्ड केनेडी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में क्रॉस रजिस्ट्रेशन के साथ आपने सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग, म्यूनिसिपल फाइनेंसिंग, बजटिंग और पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (इझ्इ) में विशेषज्ञता हासिल की। एमआईटी में आपने ह्यूबर्ट एच. हम्फ्रे फुलब्राइट फेलोशिप, जेएन टाटा फेलोशिप और एमआईटी की गवर्नेंस इनोवेशन रिसर्च फेलोशिप जैसी विभिन्न फेलोशिप हासिल कीं। अपने उच्च अध्ययन के दौरान विनीत ने मैसाचुसेट्स बे ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी के साथ ऊध्ः प्रोजेक्टन, आईटीडीपी, अफ्रीका के साथ अर्बन ट्रांसपोर्ट फाइनेंसिंग प्रोजेक्टप, विश्व बैंक के साथ चेन्नई सिटी पार्टनरशिप प्रोजेक्ट्, नैरोबी मेट्रोपोलिटन एरिया ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के साथ पब्लिक बस इलेक्ट्रिफिकेश प्रोजेक्टर और इंस्टिटयूट फॉर ट्रांसपोर्टेशन एंड डेवलपमेंट पॉलिसी (घ्ऊज्ञ्) + इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट (ळघ्ऊइ) जैसी विभिन्न ऑन-साइट परियोजनाओं का हिस्सा रहे। अपने पेशेवर जुड़ाव के अलावा विनीत सस्टेनेबल ट्रांसपोर्टेशन और पब्लिक पॉलिसी के मुद्दों पर एक उत्साही टिप्पणीकार हैं और आपके शोध पत्र, संपादकीय और पुस्तक समीक्षाएं इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, हिंदुस्तान टाइम्स, द हिंदू आदि में प्रकाशित हुई हैं।

अहमदाबाद स्थित यूनाइटेड कोटेफैब लिमिटेड का आईपीओ 13 जून, 2024 को खुलता है

अहमदाबाद स्थित यूनाइटेड कोटेफैब लिमिटेड कंपनी है जोकताई उद्योग से पाए गए कॉटन वेस्ट से एक उच्च -गुणवत्ता वाले पुन र्नवीनीकरण वाले ओपन एन्ड कोटन यार्न बनाने के व्यवसाय में व्यस्त है। मूल रूप से 2015 में यूनाइटेड कोटेफैब एलएलपी लॉन्च हुइ थी अब कंपनी इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रही है।कंपनी 13 जून, 2024 को आईपीओ ला रही है।कंपनी रु। 36.29 करोड़ इकट्ठा करने का लक्ष्य रखें हुए यह आइपीओ ला रही है. प्रत्येक शेयर का फेस वेल्यू रु। 10 रहेगा।कंपनी के शेयरों को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाना है।आईपीओ बंद होने की तारीख 19 जून 2024 है।आईपीओ लीड मैनेजर बीलाइन कैपिटल एडवाइजर्स प्रा लिमिटेड औरआईपीओ रजिस्ट्रार पूर्वशे रजीस्ट्री (भारत) प्रा. लिमिटेड है श्री गगन निर्मलकुमार कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। ठहम अपने आईपीओ की घोषणा करते हुए खुश हैं,ठ कपड़ा उद्योग ने कहा कि 18 से अधिक वर्षों का अनुभव है। यार्न उद्योग में हमारी मजबूत उपस्थिति है।हमारे पास पुनर्नवीनीकरण ओपन एन्ड कपास यार्न औ रकपास वेस्ट की बिक्री और वितरण का एक मजबूत चैनल है।यार्न कताई का अंतिम उत्पाद है, जो कपास बुनाया बुनना कपड़े के लिए महत्व पूर्ण है। कंपनी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आईपीओ ला रही है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी वापी-दानापुर-भेस्तान के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए वापी-दानापुर-भेस्तान के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09063/09064 वापी-दानापुर-भेस्तान त्रि - साप्ताहिक स्पेशल ड28 ट्रिप. प्रत्येक मंगलवार, शुक्रवार और शनिवार को वापी से 22.00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 08.00 बजे दानापुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 14 जून से 13 जुलाई, 2024 तक चलेगी।

इसी तरह, ट्रेन नंबर 09064 दानापुर-भेस्तान स्पेशल प्रत्येक गुरुवार, रविवार और सोमवार को दानापुर से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 23.30 बजे भेस्तान पहुंचेगी। यह ट्रेन 16 जून से 15 जुलाई, 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में उधना, किम, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन पर रुकेगी। ट्रेन नंबर 09063 का वलसाड, नवसारी और भेस्तान स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे ट्रेन संख्या 09063 की बुकिंग 12 जून, 2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और ध्ंऊण वेबसाइट पर शुरू होगी। ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www. enquiry .indåian rail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) वडोदरा के 2 छात्रों ने जेईई एडवांस 2024 में टॉप रैंक हासिल की

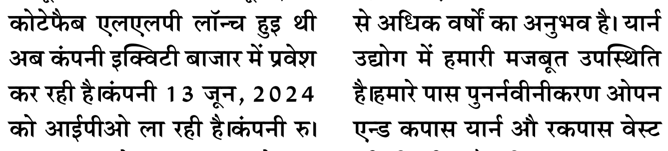

वडोदरा, 10 जून, 2024: टेस्ट प्रिपरेटरी सर्विसेज में नेशनल लीडर आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) गर्व से वडोदरा के अपने 2 छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा करता है जो प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड 2024 परीक्षा में टॉप स्कोरर बन गए हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और एईएसएल द्वारा प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग का प्रमाण है। नतीजे आज आईआईटी मद्रास द्वारा घोषित किए गए।

उल्लेखनीय छात्र श्रेयश मेनन हैं जिन्होंने ईं 571 और इद्रीस राजा ने ईं 850 हासिल किया।

वैश्विक स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक मानी जाने वाली जेईई एडवांस्ड की तैयारी के लिए छात्रों ने एईएसएल के कक्षा कार्यक्रम में दाखिला लिया। वह अपनी उल्लेखनीय सफलता का श्रेय अवधारणाओं की अपनी कठोर समझ और अनुशासित अध्ययन कार्यक्रम के सख्त पालन को देते हैं। छात्रों ने कहा, ठहम आभारी हैं कि आकाश ने एईएसएल की सामग्री और कोचिंग दोनों में हमारी मदद की है, हम इतने कम समय में विभिन्न विषयों में इतनी सारी अवधारणाओं को समझ नहीं सकते थे।" छात्रों को उनकी असाधारण उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के चीफ एकेडेमिक और बिज़नेस हेड, श्री अमित सिंह राठौड़ ने कहा, ठहम छात्रों को उनकी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के कारण है साथ ही उनके माता-पिता के समर्थन की बात करता है। हम अपने छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।ठ

जेईई मेन्स क्वालिफाई करने वाले छात्रों के लिए जेईई एडवांस्ड का आयोजन हर साल किसी एक आईआई टी द्वारा किया जाता है। जबकि जेईई मेन भारत के कई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) और अन्य केंद्रीय सहायता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए है, जेईई एडवांस्ड को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश के लिए एकमात्र शर्त माना जाता है। हालाँकि, छात्रों को जेईई एडवांस्ड में बैठने के लिए जेईई मेन में शामिल होना होगा।

जेईई (एडवांस्ड) 2024 के पेपर 1 और 2 में कुल 180,200 उम्मीदवार उपस्थित हुए। कुल 48,248 उम्मीदवारों ने जेईई (एडवांस्ड) 2024 के लिए क्वॉलिफाई हुए।

आकाश हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न पाठयक्रम प्रारूपों के माध्यम से व्यापक आईआईटी-जेईई कोचिंग प्रदान करता है।

हाल ही में, आकाशने कंप्यूटर आधा रित प्रशि क्षण विक सित करने पर ध्यानकें द्रित किया है। इसका इनोवेटिव ग्ऊलू दी प्लेटफ़ॉर्म रिकॉर्ड किए गए वीडियो व्याख्यान प्रदान करता है,

पश्चिम रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल को सीएसआर के तहत वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड से कॉक्लियर इम्प्लांट प्राप्त

मुंबई में स्थित पश्चिम रेलवे के क्षेत्रीय अस्पताल जगजीवन राम अस्पताल ने अपने लाभार्थियों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं और समय पर जीवन रक्षक प्रक्रियाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप से पहल की है। जगजीवन राम अस्पताल ने उपचार की अत्याधुनिक तकनीकों और नवीनतम चिकित्सा प्रक्रियाओं को अपनाने के साथ-साथ रोगियों के उपचार के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करने में हर संभव कदम उठाया है। 11 जून, 2024 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, चर्चगेट में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार मिश्र को मेसर्स वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड ने जगजीवन राम अस्पताल के लिए 10 कॉक्लियर इम्प्लांट भेंट किए। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री प्रकाश बुटानी के साथ-साथ विभिन्न विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष भी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत रेलवे लाभार्थियों के लाभ के लिए वेबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जगजीवन राम अस्पताल को 48 लाख रुपये की लागत के 10 कॉक्लियर इम्प्लांट दान किए गए। ये इम्प्लांट पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री ए.के. मिश्र को सौंपे गए, जिन्होंने उनके इस नेक कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। जगजीवन राम अस्पताल की चिकित्सा निदेशक डॉ. ममता शर्मा के संक्षिप्त परिचय के साथ समारोह की शुरुआत की। डॉ. उमा नटराज - एसीएचडी/ईएनटी द्वारा कॉकलियर इम्प्लांट के सभी लाभों को दर्शाने वाला एक प्रजेंटेशन दिया गया, जिसमें कॉक्लियर इम्प्लांटेशन वाले बच्चों के वीडियो शामिल थे, जो अपनी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जेआरएच में कॉक्लियर इम्प्लांटेशन जैसी कुशल सर्जरी की जा रही है और यह वर्ष 2005 से कॉक्लियर इम्प्लांट प्रक्रिया शुरू करने वाले पहले अस्पतालों में से एक है। अब तक, जेआरएच में 200 से अधिक छोटे बच्चों और वयस्कों दोनों पर कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की जा चुकी हैं।

कॉक्लियर इम्प्लांट चिकित्सा प्रौद्योगिकी में प्रमुख प्रगति में से एक है जिसने कई मायनों में प्राप्तकर्ताओं के दैनिक जीवन में काफी सुधार किया है। इसने श्रवण बाधित व्यक्तियों, विशेष रूप से श्रवण बाधित बच्चों के जीवन में काफी सुधार किया है, जिनकी वाणी और समग्र विकास इस तकनीक के आगमन से पहले बहरेपन के कारण बाधित था। यह सर्जरी उन बच्चों की सुनने की क्षमता में सुधार करती है जो जन्म से ही बहरे थे। जगजीवन राम अस्पताल लोगों के निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है और सभी लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का प्रयास करता रहता है।

पश्चिम रेलवे वापी-दानापुर-भेस्तान के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	दौड़ की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
09063	वापी-दानापुर त्रि - साप्ताहिक स्पेशल	14.06.2024 से 13.07.2024	14.06.2024 से 13.07.2024	11:00 बजे (गुरु,रवि,सोम
09064	दानापुर-भेस्तान त्रि - साप्ताहिक स्पेशल	16.06.2024 से 15.07.2024	14.06.2024 से 13.07.2024	23:30 बजे (अगले दिन)

पड़ाव: उधना, किम, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संत हिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दोनों दिशाओं में दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशन। ट्रेन संख्या 09063 का वलसाड, नवसारी और भेस्तान स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव होगा।

संरचना: स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

समय, ठहराव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09063 की बुकिंग 12.06.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराये पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिमी रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फ़ॉलो करें: twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96